मिटी चीफ

हनुमान जयंती

सम्पूर्ण भारत मे चिर्चित हिन्दी अखबार

वर्ष-15, अंक-19 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

इंदौर, मंगलवार, 23 अप्रैल 2024

हनुमान जयंती की शुभकामनाए

सिंगल कॉलम

बंगाल में 24 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द, 8 साल की सैलरी लौटाना होगी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार को 2016 में हुई शिक्षक भर्ती रद्द कर दी। इसके अलावा अवैध नियुक्ति पर काम कर रहे शिक्षकों से 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी भी वापस लेने के निर्देश दिए। जस्टिस देवांशु बसाक और जस्टिस शब्बर रसीदी की बेंच ने कहा- कैंसर पीड़ित सोमा दास की नौकरी सुरक्षित रहेगी। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करे। हाईकोर्ट के आदेश को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गैरकानूनी बताया है। उन्होंने कहा- हम उन लोगों के साथ खड़े रहेंगे जिनकी नौकरियां चली गईं। भाजपा नेता न्यायपालिका के फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं। इस फैसले के खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2014 में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ भर्ती किया था। तब 24, 640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक लोगों ने भर्ती परीक्षा दी थी। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपए तक की घूस लेने का आरोप है। मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट को कई शिकायतें मिली थीं। भर्ती में अनियमितताओं के मामले में सीबीआई ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी मॉडल अर्पिता मुखर्जी और कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था ।ममता बनर्जी की सरकार ने 2014 में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। इसकी प्रक्रिया 2016 में पूरी हुई थी। तब पार्थ चटर्जी राज्य के शिक्षा मंत्री थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि जिन उम्मीदवारों के नंबर कम थे उन्हें मेरिट लिस्ट में ऊपर स्थान मिला।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल को अपने डॉक्टर से परामर्श की इजाजत नहीं मिली

नई दिल्ली। शराब नीति केस में 1 अप्रैल से तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने डॉक्टर से कंसल्ट नहीं कर पाएंगे। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को उनकी याचिका खारिज कर दी। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने केजरीवाल की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने एम्स को निर्देश दिया कि वह केजरीवाल की जांच के लिए एक मेडिकल बोर्ड बनाए ताकि यह पता चल सके कि उन्हें शुगर लेवल कंट्रोल करने के लिए इंसुलिन की जरूरत है। इसके अलावा उनके अन्य मेडिकल जरूरतों का भी पता लगाएं। केजरीवाल ने कोर्ट से डिमांड की थी कि उन्हें शुगर है। जेल में उन्हें इंसुलिन नहीं दिया जा रहा। वे अपने डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोज 15 मिनट परामर्श लेना चाहते हैं। इसके अलावा उन्होंने डायबिटीज की रेगुलर जांच और इंसुलिन की मांग की थी। ईडी ने 18 अप्रैल को राउज एवेन्यू कोर्ट से कहा था कि जेल में केजरीवाल जानबूझकर आम और मिठाई खा रहे हैं, ताकि उनका शुगर लेवल बढ़े और उन्हें मेडिकल ग्राउंड पर जमानत मिल जाए। कोर्ट ने एऊ से इस पर जवाब मांगा था। इससे पहले सुबह हाईकोर्ट ने केजरीवाल से जुड़ी 2 अन्य याचिकाओं पर सुनवाई की। पहली- हाईकोर्ट ने केजरीवाल की जमानत के लिए दायर की गई जनहित याचिका खारिज कर दी। याचिका वी द पीपुल ऑफ इंडिया के नाम से एक लॉ स्टूडेंट ने लगाई थी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 75 हजार का जुर्माना भी लगाया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सियाचिन को बताया वीरता और बहादुरी की राजधानी

जम्मू/लेह। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को सियाचिन बेस कैंप का दौरा किया और इसे भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी बताया। उन्होंने लद्दाख में सियाचिन ग्लेशियर के कुमार पोस्ट पर तैनात सशस्त्र बल के जवानों से भी बातचीत की। उन्होंने उनके साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान भी किया। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा, दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर आप जिस तरह से देश की रक्षा करते हैं, उसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। सियाचिन की भूमि कोई सामान्य भूमि नहीं है। यह देश की संप्रभुता और दृढ़ता का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने सियाचिन बेस कैंप में युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित की और बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, सियाचिन हमारे राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। हमारी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है, मुंबई हमारी आर्थिक राजधानी है और हमारी तकनीकी राजधानी बेंगलुरु है। सियाचिन भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी है। इस अवसर पर सेना प्रमुख मनोज पांडे भी रक्षा मंत्री के साथ रहे। इस अवसर पर, लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में कुमार की पोस्ट पर भारत माता की जय के नारे हवा में गूंज उठे। राजनाथ सिंह 24 मार्च को सैनिकों के साथ होली मनाने के लिए सियाचिन जाने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के कारण कार्यक्रम को बदलकर लेह कर दिया गया, जहां रक्षा मंत्री ने लेह सैन्य स्टेशन पर सशस्त्र बलों के साथ इस अवसर का जश्न मनाया। सियाचिन ग्लेशियर हिमालय में पूर्वी काराकोरम रेंज में स्थित है और इसे अक्सर दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र माना जाता है।

सवाई माधोपुर में बोले पीएम मोदी

'कांग्रेस राज में हनुमान चालीसा पाठ करने वाले को लहूलुहान कर दिया जाता है'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राजस्थान के सवाई माधोपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और वहां हनुमान चालीसा पाठ करने वाले को लहूलुहान कर दिया जाता है ।राजस्थान ये बखूबी जानता है कि सुरक्षित राष्ट्र और स्थायी सरकार कितनी जरूरी है। इसलिए चाहे 2014 हो या 2019 हो, राजस्थान ने एकजुट होकर देश में भाजपा की ताकतवर सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद दिया था। आपने 25 की 25 सीटें भाजपा को दी थीं। आज हनुमान जयंती पर आपसे बात करते हुए मुझे कुछ दिन पहले की एक तस्वीर भी याद आ रही है। कुछ दिन पहले कांग्रेस के शासन वाले कर्नाटक में एक छोटे दुकानदार को केवल इसलिए बुरी तरह से पीटा गया, क्योंकि वो अपनी दुकान में बैठे-बैठे हनुमान चालीसा सुन रहा था। आप कल्पना कर सकते हैं...कांग्रेस के राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो जाता है। पीएम मोदी ने एक बार फिर राजस्थान में रामनवमी के जुलूस पर हुए हमलों का भी जिक्र किया। बोले- कांग्रेस ने ऐसे हमलावरों को सरकारी आश्रय दिया। भाजपा के राज में ऐसा नहीं होगा। राजस्थान के मेरे भाई-बहन तो कुछ महीने पहले ही कांग्रेस के पंजे से मुक्त हुए हैं। कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में रहते हुए, जो जख्म दिए, वो राजस्थान के लोग कभी भी भूल नहीं सकते। कांग्रेस ने महिलाओं पर अत्याचार के मामले में राजस्थान को नंबर 1 बना दिया था और दुर्भाग्य देखिए कि कांग्रेस के लोग विधानसभा में बेशर्मी के साथ कहते थे कि ये तो राजस्थान की पहचान है।

4 जून से पहले सूरत ने बीजेपी को दे दिया पहला 'कमल'

बिना चुनाव लड़े ही जीतः कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भणी का नामांकन रद्द, बीजेपी प्रत्याशी को छोड़कर अन्य सभी प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए, बीजेपी प्रत्याशी मुकेश कुमार दलाल की जीत पक्की

सूरत। लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को आने वाले हैं। लेकिन इससे पहले ही बीजेपी के लिए सूरत से बड़ी खबर सामने आई है। यहां से बीजेपी प्रत्याशी मुकेश कुमार दलाल की जीत पक्की मानी जा रही है। दरअसल यहां से कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भणी का नामांकन रद्द हो गया। अब सोमवार को खबर आई है कि बीजेपी प्रत्याशी को छोड़कर अन्य सभी प्रत्याशियों ने नाम वापस ले लिए हैं। ऐसे में अब सूरत से मुकेश कुमार दलाल की जीत पक्की मानी जा रही है। जानकारी के मुताबिक सूरत से कुल 24 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। इनमें से कांग्रेस उम्मीदवार समेत कुल 12 का नामांकन रद्द हो गया। इसके बाद केवल बीजेपी उम्मीदवार को छोड़कर अन्यों ने अपना नाम वापस ले लिया। मुकाबले के लिए चुनावी मैदान में कोई और उम्मीदवार न होने के चलते मुकेश कुमार दलाल की जीत पक्की मानी जा रही है।

गुजरात बीजेपी के कार्यकारिणी सदस्य, 3 बार पार्षद और पांच बार स्थायी समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं। वे भारतीय जनता युवा मोर्चा में प्रदेश स्तर पर भी काम कर चुके हैं।

अध्यक्ष ने दी बधाई- गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने मुकेश कुमार दलाल को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर बधाई भी दी है। उन्होंने कहा कि सूरत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहला कमल दे दिया है। सूरत लोकसभा सीट से प्रत्याशी मुकेशभाई दलाल को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई और शुभकामनाएं।

कौन हैं मुकेश कुमार दलाल?- मोढ़ माणिक समुदाय से आने वाले मुकेश कुमार दलाल सूरत बीजेपी के महासचिव हैं। वे तीन साल से अधिक समय से इस पद पर हैं। वे सीआर पाटिल के करीबी भी माने जाते हैं। वे सूरत नगरपालिका में स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे बीजेपी के शहर कार्यकारिणी सदस्य, 3 बार पार्षद और पांच बार स्थायी समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं। वे भारतीय जनता युवा मोर्चा में प्रदेश स्तर पर भी काम कर चुके हैं।

आखिरी दिन आठ प्रत्याशियों ने नाम वापस लिया- नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन आठ प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिनमें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्यारेलाल भारती और अधिकतर निर्दलीय शामिल हैं। रविवार को निर्वाचन अधिकारी ने सूरत सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भाणी का नामांकन प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में प्रथम दृष्टया विसंगति होने के बाद रद्द कर दिया था। कुम्भाणी का नामांकन रद्द होने के बाद पार्टी के वैकल्पिक उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल करने वाले सुरेश पडसाला का नामांकन पत्र भी रद्द कर दिया था।

कांग्रेस बोली- कानूनी लड़ाई लड़ेंगे

गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि हमारी लीगल टीम सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। कानूनी टीम इस बात पर विचार कर रही है कि पहले हाईकोर्ट में याचिका दायर की जाए या फिर सीधे सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई जाए। मुकेश निर्विरोध निर्वाचित होने वाले बीजेपी के पहले सांसद बने हैं। वहीं, गुजरात के चुनावी इतिहास में भी यह पहला मौका है, जब कोई सांसद बिना चुनाव लड़े ही जीत गया हो।

लोकतांत्रिक तरीके से जीत हासिल की

निर्विरोध चुने जाने पर मुकेश दलाल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल का आभारी हूं। मैंने लोकतांत्रिक तरीके से जीत हासिल की है। मैं वास्तव में अपने मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का भी आभारी हूं। विरोधियों के बारे में इतना ही कहूंगा कि चीजें उनकी उम्मीदों के मुताबिक होती हैं तो उन्हें अच्छा लगता है। उम्मीदों के विपरीत काम होने पर उन्हें लोकतंत्र की हत्या नजर आने लगती है।

दुनिया की सबसे ऊंची हनुमान प्रतिमा को देखने के लिए उमड़ी भीड़

हनुमान जयंती पर पितृ पर्वत पर

इंदौर स्थित पितृ पर्वत पर सुबह से ही लंबी कतारें लगना शुरू हो गई। दूर दूर से आए लोग दर्शन के लिए लालायित दिखे। इंदौर के पितृ पर्वत पर स्थित हनुमानजी की यह मूर्ति दुनिया की सबसे बड़ी अष्टधातु से बनी हनुमान मूर्ति है। यह 108 टन वजनी प्रतिमा है। 72 फीट उंची मूर्ति दूर से ही नजर आ जाती है। इस मूर्ति का निर्माण ग्वालियर के 125 कारीगरों ने 7 साल में किया था। मूर्ति की कीमत दस करोड़ रुपए आई थी। इसमें हनुमानजी की गदा 21 टन वजनी और 45 फुट लंबी है।

दिनभर चलेगी प्रसादी: पितृ पर्वत पर सुबह से हनुमान चालिसा और शिव पुराण के पाठ हो रहे हैं। यज्ञ में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे हैं। भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है और माना जा रहा है कि आज के दिन यहां पर दिनभर में एक लाख से अधिक भक्त प्रसादी ग्रहण करेंगे। देर रात तक भक्तों के आने का सिलसिला चलता रहेगा।

रात में लेजर लाइट का आकर्षण: यहां पर हनुमानजी के चारों ओर पांच हाइमास्ट लगे हुए हैं। इससे रात में भी दिन जैसा दूधिया उजाला रहता है। यहां पर लाइट एंड साउंड शो का भी विशेष आयोजन होता है। आज रात में कई तरह के आयोजन होंगे। लाइटिंग के लिए जर्मन से विशेष दो करोड़ रुपए की लेजर लाइट मंगवाई गई थी। पितरेश्वर धाम के व्यवस्थापक बताते हैं कि लेजर लाइट के जरिए हनुमानजी के प्रतिमा के सीने पर सात रंगों में हनुमान चालीसा का चित्रमय वर्णन दिखाई देता है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पहुंचे: यह जगह काफी लोकप्रिय है और सोशल मीडिया के टाप इन्फ्लुएंसर भी हनुमान जयंती पर सुबह से यहां पर पहुंच गए। यहां पर लोग दूर दूर से दर्शन के लिए आते हैं। फोटो, वीडियो बनाने, परिवार के साथ समय बिताने के लिए यहां पर सुंदर गार्डन, खानपान आदि की भी व्यवस्था है।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला

14 साल की दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की इजाजत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 14 वर्षीय एक दुष्कर्म पीड़िता को 30 हफ्ते का गर्भ गिराने की इजाजत दे दी। इसी के साथ सर्वोच्च न्यायालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट के लड़की को गर्भ गिराने की मंजूरी न देने के फैसले को भी पलट दिया। कोर्ट ने डॉक्टरों के एक्सपर्ट पैनल के नेतृत्व में पीड़िता की प्रेग्नेंसी को खत्म करने का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के सायन स्थित लोकमान्य तिलक महानगरपालिका सर्वसाधारण रुग्णालय एवं वैद्यकीय महाविद्यालय (एलटीएमजीएच) के डीन को निर्देश दिया कि वह नाबालिग के गर्भपात के लिए चिकित्सकों के दल का तत्काल गठन करें। बता दें कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम के तहत गर्भावस्था को समाप्त करने की ऊपरी सीमा विवाहित महिलाओं के साथ-साथ विशेष श्रेणियों की महिलाओं के लिए 24 सप्ताह रखी गई है। इनमें बलात्कार पीड़िताओं और कुछ अन्य महिलाओं जैसे कि विकलांग और नाबालिग को शामिल किया गया है। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई की थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने 14 वर्षीय कथित दुष्कर्म पीड़िता की मेडिकल जांच का आदेश दिया था। मामले में नाबालिग की मां ने शीर्ष कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस याचिका में बॉम्बे हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें गर्भावस्था को काफी समय हो जाने के कारण गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया था।

मौसम की गुगली: जलवायु परिवर्तन के चलते देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के विभिन्न रूप देखने को मिल रहे

पहाड़ों पर बर्फबारी व बारिश, 13 मैदानी राज्यों में पारा 42 पार

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के चलते देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के विभिन्न रूप देखने को मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश, पूर्वी उत्तरप्रदेश, बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्र समेत 13 राज्यों में पारा 40 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। वहीं, पहाड़ों पर बारिश के साथ बर्फबारी हो रही है। पांच राज्यों में लू का कहर है, जबकि अन्य प्रदेश भी प्रचंड गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन मौसम इसी तरह रहने का अनुमान जताया है। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री की गिरावट आ सकती है। इनमें से कई राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के साथ 14 राज्यों के विभिन्न इलाकों में बारिश, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि हो रही है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बंगाल के गंगा तटीय इलाके, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ व झारखंड में लू चल रही है। इनके अलावा पूर्वी उत्तरप्रदेश, पूर्वी मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के विदर्भ इलाके में कई जगह तापमान 42 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रह रहा है। केरल, तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश के लिए अधिक गर्मी व उमस की चेतावनी जारी की गई है। ओडिशा में लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी है। राज्य मे 25 अप्रैल से स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई हैं। उत्तर पश्चिम भारत की बात करें तो दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे है।

हिमाचल में बर्फबारी का सिलसिला नहीं थमा- एक तरफ मैदानी इलाके भीषण गर्मी की चपेट में हैं तो वहीं, अप्रैल में भी हिमाचल में बर्फबारी का सिलसिला नहीं थम रहा। मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य में 22-23 अप्रैल के लिए बारिश-बर्फबारी का यलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को रोहतांग दर्रा व कोकसर में बर्फबारी हुई। कुल्लू, चंबा व धर्मशाला में भारी बारिश व ओलावृष्टि हुई। पंजाब, हरियाणा और पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के मैदानी भागों में 30-35 डिग्री सेल्सियस के बीच अधिकतम तापमान है। आगामी 27 अप्रैल तक हिमाचल में मौसम का मिजाज बिगड़ा रहने का पूर्वानुमान है।

पूर्वी भारत में 44 डिग्री तक पहुंचेगा पारा- आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने बताया, पूर्वी भारत में अगले चार-पांच दिन में अधिकतम पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिल्ली में अगले दो-तीन दिन तापमान 38 डिग्री के आसपास रहेगा। इसके बाद एक-दो डिग्री तक वृद्धि हो सकती है। बंगाल में अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री तक ऊपर बना हुआ है और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक है, इसे देखते हुए प्रचंड लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

सिंगल कॉलम

इंदौर में गैंगस्टर लॉरेंस बिस्नोई गैंग के शूटर पकड़े

इंदौर क्राइम ब्रांच ने शहर में बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर लॉरेंस विस्नोई गैंग के शूटरों को पकड़ा है। क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पंजाब में गैंगस्टर लॉरेंस बिस्नोई गैंग के तीन बदमाशों को पकड़ा है, जो गैंग के लिए हथियार खरीदने आए थे। इसमें बदमाश रशिम उर्फ़ रिशु अरोरा, शिवम् उर्फ़ बबलू और पुनीत अमृतसर पंजाब शामिल है।आरोपितों से दो कट्टे और दो पिस्टल मिली है। पुलिस के मुताबिक़, आरोपित रिशु लॉरेंस के ख़ास जग्गू भगवानपुरिया और शुभम् का साथी हैं, जो हत्या के मामले में शामिल रहा है। पंजाब में आरोपित कई हत्या करवा चुके हैं।

मध्य प्रदेश के एकमात्र शासकीय अस्पताल में गुलियन बेरी सिंड्रोम पीड़ितों का प्लाज्मा थैरेपी से उपचार

इंदौर। गुलियन बेरी सिंड्रोम (जीबीएस) के मरीजों का एमवाय अस्पताल में प्लाज्मा थैरेपी के माध्यम से उपचार किया जा रहा है। यह प्रदेश का एकमात्र शासकीय अस्पताल है, जहां यह सुविधा मिल रही है। तीन वर्षों में अब तक करीब 250 मरीजों का इस थैरेपी से उपचार किया जा चुका है। इसमें प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों के मरीज भी शामिल हैं। निजी अस्पतालों में इसका खर्च करीब पांच लाख रुपये आता है। वहीं एमवाय अस्पताल में काफी कम दरों में इसका उपचार मिल रहा है। डाक्टरों का दावा है कि प्रदेश के शासकीय के साथ ही किसी निजी अस्पताल में भी प्लाज्मा थैरेपी से इस बीमारी का इलाज नहीं किया जाता है। न्यूरोलाजिस्ट डा. अर्चना वर्मा ने बताया कि ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और मेडिसिन विभाग द्वारा इस बीमारी का इलाज किया जा रहा है। इसमें प्लाज्मा बदलना पड़ता है। कई मरीजों के प्लाज्मा की व्यवस्था भी विभाग द्वारा ही की जाती है। इसमें कई मरीजों को लंबे समय तक वेंटिलेटर पर भी रहना पड़ता है। ऐसे में अस्पताल में मरीजों को इसका कोई शुल्क नहीं देना पड़ता है। इसके साथ ही मरीजों को फिजियोथेरेपी की सुविधा भी मिल जाती है। जीबीएस 20 से 30 वर्ष की आयु में होने की आशंका अधिक होती है। एक साल तक सहेज सकते हैं प्लाज्मा माइनस 40 डिग्री पर प्लाज्मा को एक साल, आरबीसी को 28 दिन और प्लेटलेट्स को पांच दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है। प्लाज्मा सबसे ज्यादा समय तक सुरक्षित रहता है, इसलिए इसकी उपलब्धता सहज होती है। यह होता है जीबीएस जीबीएस स्वप्रतिरक्षित (आटोइम्यून) रोग है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ तंत्रिकाओं पर हमला करने लगती है। इससे शरीर में कमजोरी होने लगती है। हाथ-पैरों में झुनझुनी होने लगती है। धीरे-धीरे यह रोग पूरे शरीर में फैल जाता है। इसकी शुरुआत श्वसन तंत्र से होती है। रोगी को सांस लेने में दिक्कत होती है। इसके बाद शरीर लकवाग्रस्त हो जाता है। आम बोलचाल की भाषा में इसे नसों का लकवा भी कहते हैं। इस रोग में व्यक्ति का पेशियों पर नियंत्रण पूरी तरह से खत्म हो जाता है। रोगी पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाता है। ढाई लाख रुपये तक आता है सिर्फ इंजेक्शन का खर्च जीबीएस का इंजेक्शन द्वारा इलाज करने में करीब ढाई लाख रुपये खर्च आता है। इसमें 12 से 18 इंजेक्शन मरीज को लगाएं जाते हैं। कई मरीजों को महीनेभर तक वेंटिलेटर पर भी रखना पड़ता है। इसका खर्च 10 लाख तक पहुंच जाता है। गौरतलब है कि इस बीमारी का इलाज मरीजों को आयुष्मान योजना के अंतर्गत भी नहीं मिल पाता है। ऐसे में गरीब और जरूरतमंद परिवार के मरीजों को काफी समस्या होती है। प्लाज्मा बदलकर मिल रहा इलाज विशेषज्ञों के मुताबिक जीबीएस में दूसरी बीमारियों से लड़ने के लिए शरीर में पहले से मौजूद एंटीबाडी स्वस्थ तंत्रिकाओं पर हमला कर उन्हें नष्ट करने लगती है। ये एंटीबाडी प्लाज्मा में ही रहती हैं। इंजेक्शन के जरिये दिए जाने वाला इम्युनोग्लोबुलिन एंटीबाडी के साथ रहकर उसे नियंत्रित करता है, जबकि प्लाज्मा थेरेपी में उस पूरे प्लाज्मा को ही बदल दिया जाता है, जिसमें ये एंटीबाडी हैं। इससे मरीज स्वस्थ हो जाता है। इस थेरेपी का खर्च इंजेक्शन के मुकाबले काफी कम है। इसमें किट का खर्च होता है, क्योंकि यह बाहर से मंगवानी पड़ती है। वहीं एमवाय अस्पताल में कई संस्थाएं भी मरीजों की मदद करती है। कारण पता नहीं जीबीएस के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। इसे लेकर अलग-अलग शोध चल रहे हैं। माना जाता है कि एंटीबाडी के नसों पर हमला करने की वजह से यह रोग होता है, लेकिन नियमित व्यायाम, वजन पर नियंत्रण और पौष्टिक आहार के सेवन से बीमारी से बच सकते हैं।

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर....., इंदौर में अंजनी पुत्र के जन्म की धूम

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं... आज मनाया जा रहा श्रीराम के अनन्य भक्त, वायुपुत्र, अंजनीसुत, महाबल, रामेष्ट, फाल्गुन सखा, पिंगाक्ष, अमितविक्रम, उदधिक्रमण और सीतोशोकविना नाम से पूजे जाने वाले हनुमानजी का जन्मोत्सव सनातन के कंठ से जो कुछ मंत्र सर्वाधिक गूंजते हैं, उनमें से एक अंजनीसुत हनुमान की स्तुति भी है। भक्तों के सामने चाहे मंदिर हो या न हो, हनुमानजी की प्रतिमा हो या न हो, मन में भय हो या आनंद हो, पूजन का क्षण हो या दुकान-प्रतिष्ठान पर बैठे-बैठे जाप करने का मन हो, सबके कंठ से यह गूंज उठता है...
अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं, अनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम्। सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं, रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि। अर्थात - अतुल बल के धाम, स्वर्ण के पर्वत के समान कांतियुक्त शरीर वाले, दैत्यरूपी वन के लिए अग्नि के स्वरूप, ज्ञानियों में अग्रगण्य, संपूर्ण गुणों के निधान, वानरों के स्वामी, श्री रघुनाथ जी के प्रिय भक्त पवनपुत्र श्री हनुमानजी को मैं प्रणाम करता हूं। भक्ति की धारा, छाई आस्था की सिंदूरी छटा शहर भक्ति के उस रंग में रंगा नजर आ रहा है, जिनकी आराधना न केवल प्रभु से मिलवाती है बल्कि भक्ति के साथ-साथ शक्ति का संचार भी कर देती है। रूद्र के 11वें अवतार हनुमानजी के जन्मोत्सव पर शहर के सभी छोटे-बड़े, नूतन और प्राचीन हनुमान मंदिरों में विशेष अनुष्ठान हो रहे हैं। मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव का विशेष संयोग आस्था, विश्वास और उमंग की सिंदूरी छटा लिए आया है।

मैं किताब हूं... हर हाथ से अब वास्तविक पाठकों तक सिमट गया मेरा साम्राज्य

सिटी चीफ इन्दौर।

मैं आपकी अपनी किताब बोल रही हूं... वैसे तो मुझे अपने जन्म का याद नहीं। हां इतना पता है कि मुझसे पहले लोग पत्थरों और दीवारों पर लिखा करते थे। सभ्यता विकसित होती गई और मेरा विस्तार होता गया। पुराण और महाकाव्य के रूप में मेरी आज भी पूजा होती है। पहले लोग हर किताब को पढ़ा करते थे, फिर बाजार में मेरे इतने रूप (ज्यादा किताबें) आ गए कि लोग भ्रमित हो गए और चुन-चुनकर पढ़ने लगे। इसके बाद डिजिटल युग आने से मेरी दुनिया काफी सीमित हो गई। अब तक आपने मेरे माध्यम से पूरी दुनिया को जाना, सबकी कहानियां पढ़ीं, परंतु आज मेरा दिन (विश्व पुस्तक दिवस) है, इसलिए मैं अपनी दास्तां सुनाऊंगी।मैं अपने बदलाव के लिए कुछ कर तो नहीं सकती। बस बदलता दौर देख रही हूं। सामान्य इंसान से मैंने लोगों को प्रेमी, साहित्यकार, वीर, क्रांतिकारी, शिक्षित आदि बनाया। लोगों ने मुझे बहुत प्यार भी दिया। मेरे घर यानी पुस्तकालय में लोग बड़े सम्मान से आते थे, फिर एक बार दुनिया में आधुनिकता की क्रांति शुरू हुई। हर हाथ में स्मार्टफोन, लैपटाप, गूगल पहुंचने लगा। मेरा वजूद कम होता गया। अब लोग पढ़ना कम और सुनना ज्यादा पसंद करने लगे। पहले लंबी वीडियो फिर शार्ट वीडियो ने मेरी दुनिया काफी सीमित कर दी। इसके बाद लोगों ने ई-बुक पढ़ना शुरू कर दिया। अब मैं आम से खास होने लगी। मेरा प्रसार हर जगह नहीं होने लगा। कुछ मुख्य लेखकों के जरिए मेरी

प्रसिद्धि सीमित हो गई। हर कुछ ही किताबें हैं जो हजारों और लाखों की ब्रिकी तक पहुंचती हैं। लोग दूसरे से फीडबैक लेकर ट्रीजर समझकर ही मुझे पढ़ना शुरू करते हैं। अब यह खुशी की बात है कि दुख की, पता नहीं, परंतु यह अच्छा है कि मैं हर हाथ से निकलकर वास्तविक पाठकों के हाथ तक सीमित हो गई जो सच में संवेदनशील होकर पढ़ना और समझना चाहते हैं। आइए मेरे समाज से जुड़े दिग्गज जैसे साहित्यकारों, पुस्तकालय अध्यक्ष आदि से मेरी यात्रा के बारे में और जानते हैं।

पैसे के रुतबे वालों ने मेरी गुणवत्ता खराब की

लोगों में मेरी पहचान थी कि कोई भी किताब पढ़ लो ज्ञान ही मिलेगा। मेरे प्रकाशन को लेकर प्रकाशक काफी संवेदनशील होते थे। मुझमें छपने के लिए कंटेंट का बेहतर होना आवश्यक होता था, परंतु धन्ना सेठों ने अपने पैसों की धौंस दिखाकर प्रकाशकों से कुछ भी छपवा दिया। अपने शौक और अपनी अलमारी में अपने नाम से किताबें सजाने के लिए लोगों ने मेरी मर्यादा तार तार कर दी। इस हरकतों से लोग डरने लगे। अब लोग मेरे हर स्वरूप को नहीं पढ़ते हैं। मुझे पढ़ने से पहले वह मेरे कंटेंट के बारे में काफी जानकारी जुटाते हैं, ताकि उनका समय बर्बाद न हो।

हमें किताबों की ओर लौटना होगा

साहित्यकार राकेश शर्मा ने बताया कि किताबें सामूहिक समाज का मन और चित्त बनाती हैं जिसमें समाज जीता है। लोगों में आज ज्ञान की प्यास कम होती जा रही है, परंतु सूचना की प्यास बढ़ती जा रही है। अब सुनने की स्थिति बन गई है मनन करने की नहीं। गोपालदास नीरज ने कहा था कि लोग 500 रुपये का टिकट लेकर मुझे सुनने आ रहे हैं, परंतु वह 50 रुपये की किताब नहीं लेते हैं। हमें पढ़ने की तरफ लौटना होगा। जब कालोनी, स्कूल आदि का विज्ञापन होता है तो एसी, खेल का मैदान, पानी आदि कई वीआइपी सुविधाएं गिनाई जाती हैं, परंतु उसमें पुस्तकालय गायब होता है।

किताबों के संस्करण आने का करते थे इंतजार

साहित्यकार पद्मा सिंह ने बताया कि पहले लोग एक किताब पढ़ने के साथ ही उनके आगामी संस्करण आने का इंतजार करते थे। रोहतास मठ, चंद्रकांता जैसे साहित्यों का खूब चलन था। इससे हमारी चेतना काफी सक्रिय रहती थी, एकाग्रता बढ़ती थी। पहले साहित्यकार अपने साहित्यकार होने का गुणगान नहीं करते थे। परंतु अब अधजल गगरी जैसा ज्ञान लिए लोग एक दो किताबें छपवाकर अपने साहित्यकार होने का प्रचार करते हैं। साहित्य संवेदनशील है, इससे गंभीरता से लेना चाहिए।

अब लोग पुस्तकालय की तरफ लौट रहे

शासकीय श्री अहिल्या केंद्रीय पुस्तकालय प्रमुख लिली डावर ने बताया कि कुछ समय पहले तक लोग किताबों से मानो दूर भाग रहे थे, परंतु अब मुझे यह देखते हुए खुशी होती है कि लोग पुस्तकालय की तरफ लौट रहे हैं। पहले लोग आनलाइन ई-बुक के जरिए पढ़ते थे लेकिन जब आंखों की समस्या होने लगी तो लोग फिर से किताबों की भौतिक रूप की तरफ लौटने लगे। अगर इतिहास की बात करें तो पहले बच्चे छुट्टियों में कोर्स के अलावा किताबें पढ़ते थे। 25 पैसे में पुस्तकालय से कई दोस्त मिलकर कई किताबें लाते थे, फिर पढ़कर आपस में बांटते रहते थे ताकि एक ही खर्च में सभी दोस्त किताबें पढ़ लें।

इंदौर पश्चिमी रिंग रोड, 48 हेक्टेयर वनभूमि से निकलेगी सड़क

सिटी चीफ इन्दौर।

सिंहस्थ तक नए पश्चिमी रिंग रोड को बनाया जाना है, मगर काम शुरू होने से पहले निर्माण को लेकर नया पेंच फंस गया है। सड़क का कुछ हिस्सा वनभूमि से होकर निकलेगा। जंगल की जमीन के बदले में एनएचएआइ को अन्य स्थान पर भूमि उपलब्ध करवाना है, मगर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। ऐसे में अधूरा प्रस्ताव अभी तक प्री स्क्रीनिंग कमेटी (पीएससी) से आगे नहीं बढ़ा है। एनएचएआइ अब जमीन के लिए जिला प्रशासन से गुहार लगा रहा है, जबकि सड़क को लेकर भूमिपूजन हो चुका है। 64 किलोमीटर लंबे पश्चिमी रिंग रोड को बनाने के लिए एजेंसी तय हो चुकी है। 1500 करोड़ रुपये से बनने वाली सड़क को लेकर प्रस्ताव में 638 हेक्टेयर भूमि लगेंगी। 34 किमी महू से हातोद और 30 किमी हातोद से क्षिप्रा तक अलग-अलग हिस्सों में सड़क का निर्माण होगा। सड़क को लेकर 48 हेक्टेयर वनभूमि की जरूरत है, जिसमें 40 हेक्टेयर इंदौर वनमंडल और 8 हेक्टेयर धार वनमंडल का वनक्षेत्र है।
कक्ष क्रमांक 256, 185, 186, 191, 192, 226 से सड़क निकलेगी। बदले में वन विभाग को कहां और कितनी जमीन उपलब्ध करवाई जाएगी। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। एनएचएआइ ने जिला प्रशासन से जमीन उपलब्ध करवाने पर जोर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक महू के पास एबी रोड से सांवेर होते हुए शिप्रा तक सड़क बनाए है, जिसमें बेटमा, हातोद, सांवेर, तराना होते हुए क्षिप्रा से सड़क निकाली

जाएगी।

पेड़ों की गिनती होना बाकी

सड़क के लिए वनभूमि के बदले जमीन उपलब्ध करवाई जाना है। यह काम होने के बाद 48 हेक्टेयर वनभूमि पर लगे पेड़ों की गिनती की जाएगी। साथ ही पौधे लगाने का आकलन होना बाकी है। जमीन से जुड़ी प्रक्रिया पूरी होने के बाद एनएचएआइ को पौधारोपण, भूमि अधिग्रहण और पेड़ों की कटाई का खर्च तय होगा। प्रस्ताव को वन व पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद एनएचएआइ को राशि जमा करना होगी। फिर उसके बाद सड़क निर्माण शुरू होगा।

वन्यप्राणी की तादाद अधिक

रिंग रोड का जो हिस्सा 48 हेक्टेयर वनभूमि से गुजरेगा, वहां वन्यप्राणियों की तादाद अधिक है। नीलगाय, सियार, तेंदुए सहित अन्य वन्यप्राणी हैं। सड़क बनाने से पहले इनके बारे में भी विचार करना होगा। निर्माण होने से जानवर पलायन करेंगे। ये शहरी सीमा में आएंगे।

मिट्टी का निपटान होगा बताना

एनएचएआइ को वनक्षेत्र में काम करने से पहले वहां की मिट्टी के निपटान के बारे में भी बताना है, क्योंकि वनभूमि से निकलने वाली मिट्टी और मुरम को वनक्षेत्र में डालने का नियम है। वैसे प्री स्क्रीनिंग कमेटी (पीएससी) ने इस बिंदु को लेकर भी एजेंसी को निर्देश दिए हैं।

बूथ स्तर पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने का मैनेजमेंट संभालेंगे विद्यार्थी

सिटी चीफ इन्दौर।

चुनाव घोषित होते ही बूथ स्तर पर मतदाताओं को रिझाने में राजनीतिक दल जुट जाते हैं। मगर इस बार लोकसभा चुनाव में विद्यार्थी भी नजर आएंगे, जो बूथ स्तर पर मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे। स्वीप अभियान के अंतर्गत कालेज में पढ़ाने वाले छात्र-छात्राएं बूथ स्तर पर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में अपनी भूमिका अदा करेंगे। इसके लिए इंदौर जिले के सबसे कम मतदान वाले बूथ की सूची बनाई है। यहां बीएलओ और एनजीओ के कार्यकर्ताओं के साथ विद्यार्थी भी गली-गली जाकर लोगों को वोट करने की अपील करते दिखेंगे। बूथ स्तर पर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर मैनेजमेंट किया जाएगा।इंदौर जिले में 1600 मतदान केंद्र बनाए जाते हैं। यहां 250 ऐसे केंद्र व बूथ का चयन किया है, जहां विधानसभा में सबसे कम मतदान हुआ है। बूथ स्तर पर 'यादा से 'यादा मतदान करवाने को लेकर विद्यार्थी लोगों से वोट करने की अपील करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक कालेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का चयन बूथ वालेंटियर के रूप में किया जाएगा। छात्र-छात्राएं जिस क्षेत्र में रहते हैं, उस बूथ में आने वाले क्षेत्रों में मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करने की जिम्मेदारी देंगे। वे बीएलओ और एनजीओ की टीम के साथ घर-घर जाकर लोगों को मताधिकार का महत्व समझा सकेंगे, जबकि मतदान वाले दिन इन वालेंटियर को बूथ पर भी बैठाया जाएगा, ताकि मतदान करने वालों का मार्गदर्शन किया जा सके।

नोडल अधिकारी दिव्यांक सिंह ने बताया कि पहले विद्यार्थियों को हर बूथ पर वालेंटियर बनाना था, लेकिन हम एक बार में 250-×00 लोगों को प्रशिक्षण दे सकते हैं। यही वजह है कि सबसे कम मतदान वाले बूथ की सूची बनाई है। उसके आधार पर विद्यार्थियों को जिम्मेदारी देंगे। बूथ पर सपोर्ट सिस्टम की तरह विद्यार्थियों से काम लिया जाएगा, जिसमें मतदान करने वालों की मदद करेंगे। उनका नाम सूची से मिलाएंगे। साथ ही मतदान पर्ची बनाकर देंगे।

कालेजों को तैयार करना होगी सूची

बूथ वालेंटियर के लिए अब कालेजों के विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक कालेजों से ऐसे विद्यार्थियों की सूची मांगी जाएगी, जो अलग-अलग क्षेत्रों में रहते हैं और वे वालेंटियर बनने में रुचि दिखा रहे हैं। सरकारी और निजी कालेजों से विद्यार्थियों के नाम आने के बाद वालेंटियर की जिम्मेदारी देंगे। अधिकारियों ने कालेजों को पांच से सात दिनों में सूची देने पर जोर दिया है। चयनित विद्यार्थियों को बूथ वालेंटियर की ट्रेनिंग दी जाएगी, फिर इन्हें फील्ड पर भेजा जाएगा। मतदान तक वालेंटियर को अलग-अलग जिम्मेदारी मिलेगी।

इंदौर के कलाकार ने बनाए साढ़े आठ फीट ऊंची व 350 किग्रा के स्क्रैप-मेटल हनुमान गुजरात में लगेंगे

सिटी चीफ इन्दौर।

देश भर में रूद्र के 11वें अवतार हनुमान के जन्मोत्सव की धूम है और मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। मंदिरों में भव्य आयोजन किए जा रहे हैं और बजरंगबली की प्रतिमाओं को सजाया जा रहा है। बजरंगबली की एक ऐसी ही प्रतिमा का निर्माण इंदौर के एक कलाकार ने स्क्रैप-मेटल से किया है, जिसे बनाने में एक साल का समय लगा। स्क्रैप-मेटल से बने यह हनुमान साढ़े आठ फीट ऊंची और 350 किलोग्राम वजनी है। यह प्रतिमा अगले महीने गुजरात के गोधरा में स्थापित की जाएगी। इसे बनाया है इंदौर के देवल वर्मा ने अपनी टीम के साथ। इस प्रतिमा को बनाने के बारे में देवल वर्मा ने बताया कि वह पिछले सात से आठ सालों से स्क्रैप-मेटल आर्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें वह स्क्रैप-मेटल की कलाकृतियां बनाते हैं। गोधरा से एक क्लाइंट ने बुलाया और अपने यहां प्रतिमा लगाने की जगह बताई, साथ ही कौन सी प्रतिमा लगाएं, इस पर सुझाव भी मांगा। उन्हें भगवान की ही प्रतिमा लगानी थी। हमने उन्हें

हनुमान की प्रतिमा लगाने का सुझाव दिया।

चुनौतीपूर्ण काम था

देवल ने बताया कि यह एक बड़ी चुनौती भी थी। हमें स्क्रैप-मेटल से हनुमानजी की प्रतिमा बनानी थी। पर हमने इसमें कुछ अलग करने का विचार बनाया। इसमें हमने पीतल और स्टील का उपयोग किया।

डिजाइन बनाने में दो-तीन महीने का लगा समय

उन्होंने बताया कि हमें प्रतिमा का डिजाइन तैयार करने और फाइनल करने में ही दो-तीन महीने का समय लग गया। इसके बाद उसके डायमेंशन सेट किए गए। इसके बाद हमने मेटल तलाशना शुरू किया। स्क्रैप ढूंढने में काफी समय लगता है। प्रतिमा में पीतल की कड़ाही, प्लेट और स्टील के पाइप, एसएस शीट भी लगी हुई है। इसके अलावा कारों के स्प्रिंग, गियर बियरिंग व अन्य स्क्रैप से प्रतिमा बनाई गई है।

विशेषताओं पर काम किया

उन्होंने बताया कि हमने हनुमानजी को बनाने में बारीकी से काम किया। इसके लिए हनुमान चालीसा का अनुसरण किया। उनके जनेऊ, कुंडल किस तरह हो सकते हैं, उस पर गहराई से काम किया। उनका चौड़ा सीना, बलिष्ट शरीर कैसे बने इस पर विचार किया। पहले इसे पेंडेट पर उकेरा और फिर उसकी डिटेलिंग की गई है। प्रतिमा बनाने में सबसे बड़ी चुनौती उनके चेहरे की सरलता, शांतता, कोमलता और सौम्यता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती थी। इस प्रतिमा को बनाते समय सबसे बड़ी चुनौती हनुमानजी के चेहरे पर भाव लाना था, क्योंकि, स्क्रैप सामग्री से कुछ बनाना और उसके चेहरे पर भाव लाना सबसे चुनौतीपूर्ण काम है। हनुमानजी की दाढ़ी में स्टेनलेस स्टील के तार लगे हैं। गदा पीतल के हुण्डा से बनी होती है। मुकुट पर लोटा है। नीचे पीतल के गिलास हैं। मुकुट के पीछे सिलाई मशीन का पहिया है।

इनका किया उपयोग

प्रतिमा बनाने के लिए स्टील, पीतल, माइल्ड स्टील का उपयोग किया गया है। हनुमानजी की प्रतिमा बनाने में कुल एक साल का समय लगा। डिजाइन से लेकर स्क्रैप-मेटल संग्रह से लेकर अंतिम निर्माण तक। हमें कंपनी ने पिछले साल फरवरी में आर्डर दिया था और प्रतिमा इस साल मार्च में बनकर तैयार हो गई है। देवल ने बताया कि उनके अलावा टीम में चीफ मैकेनिकल इंजीनियर फैजान खान, चीफ वेल्डर राजेश झा और हेल्पर अर्जुन हैं। इसे इंदौर में ही स्टूडियो में तैयार किया गया है। अब इसे गोधरा बस स्टैंड के पास श्री सार्वत रेस्तरां में अगले महीने स्थापित किया जाएगा।

भोपाल में डेढ़ हजार कर्मचारियों ने मांगी थी चुनाव ड्यूटी से राहत, 958 को मिली

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव की ड्यूटी से राहत पाने के लिए लगभग डेढ़ हजार कर्मचारियों ने आवेदन दिए थे। इनमें से 958 कर्मचारियों को राहत मिल गई है जबकि अन्य के आवेदन निरस्त कर दिए गए हैं।दरअसल चुनाव ड्यूटी से बचने के लिए कोई बीमारी का हवाला देकर तो कोई शादी का कार्ड देकर ड्यूटी कटवाने की जुगत में लगा है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों के पास ऐसे करीब ढाई सौ से अधिक आवेदन आ चुके हैं, जिनमें शादी का हवाला देकर नाम कटवाने की गुहार की गई है। लोकसभा चुनाव में मतदान कर्मियों की ड्यूटी तय कर दी गई है। इसी बीच जिन मतदानकर्मियों

के घर में शादी है वे परेशान हैं। अपनी ड्यूटी कटवाने के लिए कोई शादी के कार्ड का सहारा ले रहा है तो कुछ बीमारी का हवाला देने में लगे हैं। कई कर्मचारी तो बाकायदा प्राइवेट अस्पतालों और डाक्टर से लंबी बीमारी और इलाज का विवरण लिखा पर्चा लेकर आ रहे हैं। वर्तमान में शादियों का दौर चल रहा है। अठारह मई तक बड़ी संख्या में शादी हैं, तो किसी के यहां शादी के बाद रिसेप्शन है। इन हालात में वह शादी की तैयारी करें कि चुनाव ड्यूटी में जाएं, यही बात मतदान कर्मियों के लिए सिरदर्द बन गई है।

इधर, जिला निर्वाचन कार्यालय नाममात्र के आवेदनों पर ही निर्णय ले रहा है। उसमें भी आवेदन करने वाले के परिवार में शादी होनी चाहिए साथ ही बीमारी होने पर मेडिकल बोर्ड से बीमारी के संबंध में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही विचार किया जा रहा है। डिप्टी कलेक्टर आदित्य जैन का कहना है कि जिन लोगों के परिवार में शादियां हैं, उन्हें छुट्टी दी जा रही है। अन्य कारणों से चुनावी ड्यूटी से छुट्टी लेने वालों के आवेदनों की जांच की जा रही है।

भारत गौरव विशेष ट्रेन 22 मई को चलेगी, ज्योतिर्लिंग के कराएगी दर्शन

ग्वालियर। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन (आइआरसीटीसी) द्वारा आगामी 22 मई को ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से भारत गौरव विशेष ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इस ट्रेन के माध्यम से यात्री विभिन्न ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकेंगे। इस ट्रेन का सफर आगामी दो जून को पूरा होगा। इस दौरान यात्रियों को ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, सोमनाथ, भेंट द्वारका, द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर, त्रयंबकेश्वर, घृष्णेश्वर और भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे। ट्रेन में इकोनामी श्रेणी, स्टैंडर्ड श्रेणी, कम्फर्ट श्रेणी में आरक्षण की सुविधा दी गई है। परिवार के लिए पैकेज की बुकिंग पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगी। इस पैकेज के लिए आइआरसीटीसी की ओर से ईएमआइ की सुविधा भी पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रेन में कुल 767 सीटें हैं, जिनमें सेकंड एसी की 49 सीटें, थर्ड एसी की 70 सीटें और स्लीपर की 648 सीटें हैं। इस पैकेज में यात्रा के साथ ही नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी व नान एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण शामिल है। इस ट्रेन में उतरने और चढ़ने के स्टेशन भी तय कर दिए गए हैं, जिनमें योगनगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, कानपुर, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और ललितपुर स्टेशनों का शामिल किया गया है। ग्वालियर के यात्री बुकिंग कराकर झांसी स्टेशन से ट्रेन में सवार हो सकते हैं।

भोपाल में पीएम मोदी का रोड शो कल

सीएम मोहन यादव ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। भाजपा, कांग्रेस समेत तमाम दल चुनाव प्रचार में पूरा जोर लगा रहे हैं। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल, बुधवार को भोपाल आएंगे और भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के समर्थन में रोड शो करेंगे। पीएम मोदी के रोड शो को लेकर आज यानी मंगलवार को पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इसको लेकर शाम को रोड शो के रूट पर ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर बुधवार को आप न्यू मार्केट की तरफ आ रहे हैं, तो जरा रूट चेक कर ले।

.एच.क्यू. , लिली टाकीज होते हुए भारत टाकीज की ओर जा सकेंगे। टीटीनगर से रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड की ओर जाने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें माता मंदिर लिंक रोड नंबर 2 से होते हुए अर्जुन नगर (परशुराम चौराहा) 1250 चोराहा से बोर्ड आफिस चौराहा, डीबी माल, प्रेस

काम्प्लेक्स, बीएसएनएल तिराहा, ई.ओ.डब्ल्यू आफिस के सामने, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, मैंदा मिल तिराहा, सुभाष नगर आरओबी ब्रिज, प्रभात चौराहा, बोगदापुल से होकर भारत टाकीज होते हुए जा सकेगी। भारत टाकीज से रंगमहल की और जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहन लिली टाकीज पी.एच.क्यू. , खटलापुरा, मछलीघर, बाणगंगा, होते हुए रंगमहल की ओर जा सकेगें। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन से टीटी नगर, न्यू मार्केट की ओर आने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें भारत टाकीज से होते हुए पुल बोगदा, प्रभात चौराहा,सुभाष नगर आरओबी ब्रिज, मैदा मिल तिराहा, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, ईओ.डब्ल्यू आफिस के सामने, बीएसएनएल तिराहा, प्रेस काम्प्लेक्स, डीबी माल, बोर्ड आफिस चौराहे से होते हुए अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

भोपाल में मारुति-नंदन की भक्ति में रमे श्रद्धालु

मंदिरों में गूंज रहे बजरंगबली के जयकारे, जगह-जगह होंगे भंडारे

सिटी चीफ भोपाल।

आज हनुमान जन्मोत्सव का पावन पर्व भोपाल में पूर्ण श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। सभी मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा की गई है। हनुमान जयंती पर जगह-जगह अखंड रामायण पाठ, भंडारे और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। शहर के कई स्थानों से शोभायात्राएं भी निकाली जाएंगी, जिसमें मुख्य रूप से हिंदू भवानी संगठन द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। तो वहीं राजधानी के विभिन्न मंदिरों में एक दिन पहले यानी सोमवार से अखंड रामायण पाठ शुरू हो गए हैं। न्यू मार्केट स्थित श्री खेड़ापति हुनमान मंदिर में अखंड रामायण पाठ सोमवार को शुरू हो गया है, जो मंगलवार तक चलेगा। इसी तरह सोमवार को भवानी चौक सोमवारा स्थित मां कर्फ्यू वाली माता मंदिर पर महाआरती की गई। कटारा हिल्स क्षेत्र में प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में भी अखंड रामायण पाठ किया जा रहा है।

त्रिलंगा सिद्ध श्री बाल स्वरूप हनुमान में किया नर्मदा कुंड का निर्माण

त्रिलंगा कालोनी स्थित सिद्ध श्री बाल स्वरूप हनुमान मंदिर प्रांगण में हनुमानजी जन्मोत्सव के तहत रविवार को मंदिर की उत्तर दिशा में नर्मदा कुंड का निर्माण किया गया। जहां पर देश की सभी पवित्र नदियों, समुद्र जल, बालू शीप समुद्री फेन, समुद्री काई उत्तराखंड व समस्त पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली सामग्री के कलश स्थापित कर भूमि व वरुण देवता का आह्वान किया गया। वहीं सोमवार व मंगलवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं।

गुफा मंदिर में हुआ सहस्त्रधारा अभिषेक

गुफा मंदिर में हनुमान जयंती पर सुबह 6:30 बजे महंत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा श्री हनुमान जी का सहस्त्रधारा अभिषेक सिंदूर चोला अर्पण कर पूजन किया गया। इधर नेहरू नगर के सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में भी धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। सुबह छह बजे से धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए, जो देर रात तक चलेंगे।

अखंड रामायण पाठ

हनुमान मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा की गई है। मंदिरों को फूलों से सजाया गया है। सोमवार से ही अखंड रामायण पाठ शुरू हो गए हैं। 24 घंटे का अखंड राम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर प्राचीन पूर्व मुखी मनोकामना हनुमान मंदिर अन्ना नगर में 24 घंटे का रामायण पाठ सोमवार से शुरू हो गया है। जिसका समापन मंगलवार सुबह 10 बजे होगा। मंदिर में शाम 5 बजे प्रसादी वितरण होगा और भंडारा होगा।

24 घंटे रामधुन की गूंज

नर्मदापुरम रोड स्थित मिसरोद में श्री हनुमान मंदिर में सोमवार से राम धुन संकीर्तन पाठ शुरू होगा, जो मंगलवार सुबह तक जारी है। रामधुन का पाठ संपन्न होने के बाद मंदिर से हनुमान जी की शोभायात्रा निकाली जाएगी और हवन व भंडारा होगा। शीतला माता शापिंग सेंटर टीला जमालपुरा में मंगलवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव के तहत विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 1100 क्वार्टर्स मंदिर, गुफा मंदिर लालघाटी में भी विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। महाबली हनुमान मंदिर कृष्णापुरम में हनुमान जी की 57 फीट की प्रतिमा के सामने सुंदरकांड पाठ होगा और भंडारा होगा। चामुंडा दरबार शाहजहांनाबाद श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर न्यू मार्केट, श्रीनाथ जी मंदिर लौहा बाजार आदि मंदिरों में जागरण के अलावा शहर में कई मंदिरों में अभिषेक और भंडारे होंगे।

मथुरा से मंगाई पोशाक

न्यू मार्केट स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर में विराजमान अंजनी सुत के लिए मथुरा से 51 हजार रुपये का चोला मंगाया गया है। इसे मथुरा के कारीगरों ने बारीक बुनाई से तैयार किया है। चोला तैयार करने के दौरान ये कारीगर सात्विक एवं नियम धर्म से रहते हैं।

बनारस से मंगाया कपड़ा

लोहा बाजार स्थित श्रीनाथजी मंदिर के बालाजी भक्त मंडल के गोपाल सोनी ने बताया कि श्रीनाथ बालाजी मंदिर में विराजमान हनुमान जी के लिए बनारस से चोले का कपड़ा मंगाया गया है। इधर चौबदारपुरा स्थित श्रीबांके बिहारी मार्कंडेय मंदिर में विराजमान हनुमान जी के चोले के लिए वृंदावन से कपड़ा मंगाया गया है, जिसे भोपाल में तैयार किया जा रहा है।

करुणाधाम में होंगे हनुमान चालीसा के 21 हजार पाठ

करुणाधाम आश्रम नेहरू नगर में हनुमान जी के जन्मोत्सव पर 21000 हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश शांडिल्य महाराज सानिध्य में मंगलवार को सुबह छह बजे से रात 10 तक यह 21 हजार हनुमान चालीसा के पाठ होंगे।

श्रीकृष्ण मंदिर बरखेड़ा में भंडारा आज

भोजपाल महोत्सव मेला समिति और श्रीकृष्ण मंदिर विजय मार्केट बरखेड़ा की ओर से श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंगलवार शाम छह बजे भंडारे का आयोजन रखा गया है। समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि मंदिर में सुबह छह बजे से धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे, जो देर रात तक चलेंगे।

हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर आसमान में छोड़े गुब्बारे

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल की ओर से हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर आसमान में गुब्बारे छोड़े गए। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि गोविंद गार्डन रायसेन रोड पर भगवान राम की 15 फीट ऊंची एलईडी के समक्ष भगवा रंग के गुब्बारे आसमान में उड़ा कर प्रसाद वितरण किया गया। जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इस मौके पर गुड्डू अग्रवाल, सचिन सेवारानी, उमेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर आकृति ग्रीन्स सलैया में प्राण प्रतिष्ठा आज

शहर के सलैया स्थित आकृति ग्रीन्स परिसर में स्थित श्री सिद्ध विनायक मंदिर में नवनिर्मित्त श्री बजरंग बलि मंदिर में आकृति ग्रीन्स रहवासी संघ द्वारा हनुमान जयंती के अवसर पर श्री बजरंग बलि हनुमान जीकी दक्षिण मुखी भव्य एवं आकर्षक मूर्ति स्थापित की जा रही है। तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह रविवार से शुरू हो चुका है। प्रथम दिवस कलश यात्रा निकाली गई एवं पंचांग पूजन सोमवार को किया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर में हनुमान जी की प्राण-प्रतिष्ठा की

प्लाट से कब्जा हटवाने पहुंचीं साध्वी प्रज्ञा

रहवासियों ने लगाया श्मशान की दीवार तोड़ने का आरोप, किया हंगामा

सिटी चीफ भोपाल।

निशातपुरा थाना क्षेत्र में सोमवार को सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर द्वारा प्लाट से कब्जा हटाने पर रहवासियों ने हंगामा कर दिया। दरअसल साध्वी यहां स्थित अपने प्लाट से कब्जा हटवाने पहुंची थी। जहां बनाई गई एक दीवार को जेसीबी से तोड़ दिया गया। इससे रहवासियों ने जमकर हंगामा कर दिया। उनका कहना है कि श्मशान घाट की दीवार को तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। हंगामा की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन के अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किया। निशातपुरा टीआइ रूपेश दुबे ने बताया कि अभी कुछ भी नहीं है, जब होगा तो जानकारी दी जाएगी।

नयापुरा गांव के पास है जमीन

जानकारी के अनुसार जेल रोड पर नयापुरा गांव के पास स्थित जमीन पर सोमवार रात को जेसीबी से दीवार तोड़ी जा रही थी। यह देख आसपास के रहवासी मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा शुरू कर दिया। रहवासी राम, प्रेम सहित अन्य का आरोप है कि यहां पर श्मशान की जमीन पर सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर द्वारा कब्जा किया जा रहा है। वह सोमवार रात करीब

नौ बजे जेसीबी साथ में लेकर आईं थी। यहां उन्होंने श्मशान की दीवार तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया है। हंगामा होते देख साध्वी मौके से चली गईं थीं। जबकि रहवासियों ने जेसीबी और ड्राइवर को पकड़ लिया था।

साध्वी का यह तर्क

सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने बताया कि नयापुरा में उनका प्लाट स्थित है जो कि उनके नाम से है। उक्त प्लाट के आसपास सरकारी भूमि स्थित है।यहां एक बिल्डर के द्वारा लगातार सरकारी जमीन पर लोगों के द्वारा कब्जा कराया जा रहा है। मेरे प्लाट पर रातोंरात दीवार खड़ी कर दी गई।

नगर में 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री के रोड-शो के संकेत मिले, समय मिलने का इंतजार

ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुरैना में 25 अप्रैल को चुनावी सभा को संबोधित करने के साथ नगर में रोड-शो भी कर सकते हैं। शीर्ष नेतृत्व से रोड-शो की तैयारी करने के संकेत तो मिले हैं, फिलहाल जिला भाजपा को समय मिलने का इंतजार है। भाजपा को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की सभा व रोड शो का अंचल की चारों सीटों पर लाभ मिलेगा। भाजपा लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री के नाम लड़ रही है। फिलहाल संभागीय स्तर पर भाजपा ने सभा की तैयारियां शुरू कर दीं हैं।

चारों सीटों की बजाय मुरैना-श्योपुर से जुटाई जाएगी एक लाख की भीड़

भाजपा के संभागीय प्रभारी विजय दुबे ने बताया कि प्रधानमंत्री की सभा के लिए एक लाख से अधिक की भीड़ जुटाने का लक्ष्य तय किया गया है। सभा के लिए भीड़ केवल मुरैना-श्योपुर से ही जुटाई जायेगी। इसके साथ जिले से लगी भिंड और ग्वालियर शहर की तीनों विधानसभा के कार्यकर्ता भी सभा के लिए अपेक्षित रहेंगें। भाजपा ने गर्मी को देखते हुए मोदी की सभा में भीड़ जुटाने की दृष्टि से मुरैना संसदीय क्षेत्र तक ही सीमित रखा है।

रोड-शो के लिए जिला भाजपा ने आग्रह किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तय कार्यक्रम के अनुसार

मुरैना में सभा को संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री ट्रांजिट विजिट पर ग्वालियर आएंगे। यहां से हेलीकाप्टर से मुरैना के लिए रवाना होंगे और सभा को संबोधित करने के बाद वापसी के लिए वे ग्वालियर आएंगे। जिला भाजपा ने मोदी के नगर आगमन का लाभ उठाने के लिए सभा से लौटने के बाद नगर में रोड-शो करने के लिए प्रदेश व शीर्ष नेतृत्व को आग्रह पत्र भेजा है। दिल्ली से इस बात के संकेत अवश्य मिले हैं कि रोड-शो का कार्यक्रम समायोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। मंगलवार को इसका फाइनल जवाब मिलेगा। स्थानीय नेताओं को भी उम्मीद है कि मुरैना से लौटते समय रोड-शो के लिए एक घंटे का समय प्रधानमंत्री दे सकते हैं। सतही तौर पर भाजपा ने रोड-शो की तैयारियां शुरू कर दी है।

जांच में खुल रहीं लापरवाही की परतें

ग्वालियर। संगम वाटिका-रंगमहल गार्डन में हुए भीषण अग्निकांड में एक के बाद एक बेपरवाही के खुलासे हो रहे हैं। अब दूसरे दिन जांच दल के सामने आया कि एक मार्च को वाटिका संचालक नरेश खंडेलवाल ने नगर निगम से वाटिका के लिए फायर प्लान का अप्रूवल तो ले लिया था लेकिन डेढ़ माह में भी इसका अमल नहीं कराया। हकीकत में यह खेल था नगर निगम के नोटिसों पर खानापूर्ति करने का, एक के बाद एक निगम ने जो छह नोटिस दिए थे, उसके बदले में यह दिखावा किया गया। अप्रूवल के बाद तीन माह में फायर सेफ्टी इंतजाम करने होते हैं, लेकिन संचालक अग्निकांड का इंतजार कर रहा था और अफसर भी चुपचाप तमाशा देख रहे थे। यदि डेढ़ माह में इंतजाम हो जाते तो इतनी बड़ी आग नहीं लगती। वहीं जांच के दौरान गार्डन संचालक ने संगम वाटिका में पीएनजी यानि पाइप्ड नैचुरल गैस का उपयोग होना बताया और एलपीजी सिलेंडरों की मौजूदगी से इंकार किया। हकीकत में अग्निकांड के बाद ही मौके पर कई सिलेंडर पड़े मिले थे। इस अग्निकांड की जांच के लिए गठित टीम सोमवार को संगम वाटिका पहुंची। जांच के लिए दोपहर 12 बजे का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन एसडीएम विनोद सिंह और सीएसपी हिना खान कलेक्ट्रेट में प्रधानमंत्री के आगमन संबंधी बैठक में शामिल होने के कारण नहीं आ सके। काफी देर इंतजार करने के बाद निगम के अधीक्षण यंत्री डा. अतिबल सिंह यादव, विद्युत सुरक्षा के सहायक यंत्री आरएस वैश्य, कनिष्ठ आपूर्ति नियंत्रक महावीर राठौर वाटिका का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। इस दौरान गार्डन संचालक ने उन्हें जो दस्तावेज दिखाए, वो फायर प्लान और विद्युत सुरक्षा की अनुमति से जुड़े थे। दस्तावेजों का परीक्षण करने पर पता चला कि गत एक मार्च को गार्डन संचालक को फायर प्लान का अप्रूवल दिया गया था। संचालक को तीन माह के अंदर फायर प्लान के मुताबिक इंतजाम करने थे, लेकिन डेढ़ माह बीतने के बावजूद एक भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किया गया।

साम्पदकीय

प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित

पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और सिक्किम में 80 फीसदी से ज्यादा मतदान हुए, *लेकिन फिर भी 2019 की तुलना में 2 फीसदी तक कम हुए। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2 फीसदी मतदान ज्यादा किया गया। जम्मू-कश्मीर सरीखे संवेदनशील क्षेत्र में 68.27 फीसदी मतदान शानदार माना जा सकता है, लेकिन वहां भी 2019 से 1.88 फीसदी मतदान कम हुआ। आम चुनाव, 2024 के प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित रहा है। कुल मतदान शनिवार की रात्रि 11 बजे तक करीब 65.5 फीसदी रहा। यह 2019 की तुलना में 4 फीसदी कम रहा है। सबसे अधिक मतदान संघशासित क्षेत्र लक्षद्वीप में 84.16 फीसदी किया गया। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और सिक्किम में 80 फीसदी से ज्यादा मतदान हुए, लेकिन फिर भी 2019 की तुलना में 2 फीसदी तक कम हुए। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2 फीसदी मतदान ज्यादा किया गया। जम्मू-कश्मीर सरीखे संवेदनशील क्षेत्र में 68.27 फीसदी मतदान शानदार माना जा सकता है, लेकिन वहां भी 2019 से 1.88 फीसदी मतदान कम हुआ। सबसे कम मतदान बिहार की सीटों पर 49 फीसदी से कुछ ज्यादा रहा, लेकिन 4 फीसदी कम मतदाता वोट देने घर से निकले। उप्र और उत्तराखंड जैसे भाजपा वर्चस्व के राज्यों में 5-6 फीसदी मतदान कम किया गया। मध्यप्रदेश, राजस्थान और मिजोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। इनसे भाजपा के 370 और 400 पार वाले लक्ष्यों को ठेस पहुंच सकती है, क्योंकि भाजपा उत्तरी भारत में ही शानदार जनादेश के भरोसे है। दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्यप्रदेश में 67.76 फीसदी मतदान हुए, लेकिन ये 7.31 फीसदी कम रहे। क्या मतदाताओं में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को जनादेश देने का उत्साह और जुनून कम हो गया है? पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 72.17 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं। पूर्वोत्तर में ही नागालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। वे अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। फिर भी 56.91 फीसदी मतदान हुआ। बेशक 2019 की तुलना में वह 26 फीसदी कम रहा। मणिपुर में भी 10.52 फीसदी मतदान कम हुआ। समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है। किसी भी तरफ लहर महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है! यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की खबरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा कोई भी ध्रुवीकरण दिखाई नहीं दिया। हमने मतदान के इस चरण को ह्यखामोश और भ्रमित चुनावह्न माना है। कुछ जगह की खबरें हैं कि भाजपा के जिन कार्यकताओं और नेताओं पर मतदान कराने और चुनावी जीत तय कराने की जिम्मेदारी थी, वे आराम से पंचतारा होटल में खाना खाते रहे। यदि ऐसा है, तो प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और उनके आह्वान दांव पर लगते हैं। इस चरण से पहले 38 फीसदी पात्र युवाओं ने ही निर्वाचन आयोग में अपना पंजीकरण कराया। साफ है कि युवा चुनाव के प्रति उत्साही नहीं है। बहरहाल अभी तो मतदान के छह और चरण शेष हैं। गर्मी का मौसम भी ज्यादा गर्म और लू वाला होना है। कई जगह मई में ही बारिश की शुरूआत हो सकती है, लिहाजा मौसम के कारण इतना मतदाता घर से न निकले, समझ में नहीं आता। हमें लगता है कि चुनाव प्रधानमंत्री मोदी पर ही केंद्रित रखा गया है, लिहाजा बेरोजगारी, महंगाई, राम मंदिर सरीखे मुद्दे शांत से लगते रहे। क्या मतदान का यह ठंडापन यहीं समाप्त होगा, यह अहम सवाल है। नागालैंड में बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। इस राज्य की मांगों पर सहानुभूति के साथ विचार होना चाहिए था। न जाने केंद्र सरकार कब तक मणिपुर व नागालैंड जैसे राज्यों की अनदेखी करती रहेगी।*

कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही बाल-तस्करी ?

बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोख्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है।

देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त की मंडी चल रही थी जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की बच्चा मंडी के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पदार्पाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खड़ा किया है। आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढ़ता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफ पैदा करने वाली भी है। दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुड़ते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। आरोपी कई निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए की ठगी करने में भी संलिप्त हैं। इस गिरोह के तार कहां-कहां हैं इसकी भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। यह गिरोह आईवीएफ के माध्यम से युवतियों को गर्भधारण कराता था फिर इन शिशुओं को बेचता था। गरीब माता-पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद-फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है। अर्थ की अंधी दौड़ में इंसान कितने क्रूर एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने लगा है कि चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे हैं। नीति एवं निष्ठा के केन्द्र बदलने लगे हैं। मानवीयता एवं नैतिकता की नींव कमजोर होने लगी है। आदमी इतना खुदगर्ज बन जाता है कि उसकी सारी संवेदनाएं सूख जाती है। बाल तस्करी के खिलाफ कई सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद भारत में यह समस्या नासूर बनती जा रही है। नवजात बच्चे चुराने वाले गिरोह के पदार्फाश से फिर यह तथ्य उभरा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों में कानून का कोई खौफ नहीं है। बच्चों की तस्करी पर भारी जुमार्ने के साथ उम्रकैद तक का प्रावधान होने के बावजूद यह कड़वी हकीकत है कि ऐसे दस फीसदी से भी कम मामले दोषियों को सजा तक पहुंच पाते हैं। मुकदमों की पैरवी सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी बच निकलते हैं और वे फिर बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त में लिप्त हो जाते हैं।

बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है। पैसे की अपसंस्कृति ने अपराधों को अनियंत्रित किया है। पैसे कमाने के लिए कई लोग बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के व्यापार में लग गए हैं। वो गरीब लोगों को बहकाकर उनके बच्चों को काम दिलवाने का झांसा देकर शहर ले जाते हैं फिर शहर में जाकर उन बच्चों को बेचा जाता है फिर शुरू होता है बच्चों के शोषण का अंतहीन सिलसिला। जो बच्चे खो जाते हैं उनको अपराधी अगवा कर बेच देते हैं। लड़कियों को देह व्यापार के लिए विवश किया जाता है। हजारों बच्चों को फैक्ट्रियों में बंधुआ मजदूर बना दिया जाता है। 16-16 घंटे काम कराके इन को भर पेट खाना भी नसीब नहीं होता। इन सब कारणों से देश का बचपन कराह रहा है।

देश में युवाओं के एक वर्ग की सोच में बदलाव भी परोक्ष रूप से बाल-तस्करी को बढ़ावा दे रहा है। एक सर्वे में खुलासा हुआ था कि भारत के नौ फीसदी युवा शादी तो करना चाहते हैं लेकिन बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। संतान सुख के लिए उन्हें बच्चे खरीदने से परहेज नहीं है। हैरत की बात यह है कि देश के ढाई करोड़ से ज्यादा अनाथ बच्चों में से किसी को गोद लेने का विकल्प होने के बावजूद ऐसे युवा कई बार बाल तस्करी करने वालों से संपर्क तक साध लेते हैं। बाल-तस्करी भारत की एक उभरती एवं ज्वलंत समस्या है। यह केवल भारत की ही नहीं, दुनिया की बड़ी समस्या है। पिछले साल एक एनजीओ की रिपोर्ट में बताया गया था कि 2016 से 2022 के बीच बाल तस्करी के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार क्रमशः दूसरे, तीसरे नंबर पर थे। इस अवधि में मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना में भी कई मामले दर्ज हुए। कोरोना काल के बाद दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह भी देखने में आया कि जिलों की बाल तस्करी से जुड़े मामलों में जयपुर पहले स्थान पर रहा। पिछले साल संसद में पेश राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2021 में हर दिन औसतन आठ बच्चों की तस्करी हुई। देश के ही भीतर यह तस्करी होती है लेकिन संगठित गिरोह कुछ बच्चों की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी तस्करी करते हैं। एनसीआरबी के मुताबिक 2019 से 2021 के बीच देश में 18 साल से कम उम्र की 2.51 लाख लड़कियां लापता हुई। इनमें से ज्यादातर मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की थी। बचपन अगर बाल तस्करी के बीच फंसकर रह जाए तो बच्चा अपने बचपन, क्षमता और मानवीय गरिमा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास से भी वंचित रह जाता है। गौरतलब है कि बच्चों के घरेलू काम, विभिन्न क्षेत्रों में बाल श्रम, भीख मांगना, अंग तस्करी और व्यावसायिक यौनकर्म जैसी अवैध गतिविधियां बाल तस्करी की कोख से ही जन्म लेती हैं। सरकार और समाज को इससे मिलकर निपटना होगा। इस समस्या की जड़ में गरीबी भी है। इसे ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यावहारिक और ठोस नीति बनाई जानी चाहिए कि बाल तस्करी के समूल उन्मूलन की जमीन तैयार हो सके। इसे देश की विडंबना कहें या दुर्भाग्य कि आज बहुत से अजन्मे मासूम तो मां के गर्भ में आते ही जीवन-मृत्यु से जूझने लगते हैं। जन्म लेने के बाद इस देश में बच्चों को बेच दिया जाता है या ऐसे बच्चों का एक बहुत बड़ा वर्ग चौराहों, रेलवे स्टेशन, गली-मोहल्ले में भीख मांगता मिल जाएगा। बहुत सारे बच्चों का बचपन होटलों पर काम करते या जूठे बर्तन धोते हुए या फिर काल कोठरियों में जीवन बिताते हुए कट जाता है। यों भी कह सकते हैं कि उनका जीवन आज अंधेरे में कट रहा है, दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का बचपन आर्थिक कारणों से घायल है। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। क्यों कानून का डर ऐसे अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यहां प्रश्न कार्रवाई का नहीं है, प्रश्न है कि ऐसी विकृत एवं अमानवीय सोच क्यों पनप रही है?

सूरीनाम में भगवा रंग की चुनावी स्याही का होता है इस्तेमाल

दुनिया में एक देश ऐसा भी है, जहां चुनावों में चुनावी स्याही का रंग भगवा है। इस देश का हिंदू धर्म से एक खास कनेक्शन भी है। वैसे हम आपको बता दें कि दुनिया में 90 से ज्यादा चुनावी स्याही का इस्तेमाल होता है। वैसे तो दुनियाभर में जहां कहीं चुनाव होते हैं वहां बैंगनी रंग की चुनावी स्याही का ही इस्तेमाल होता है लेकिन कई देशों में नीले आसमानी रंग और काले रंग का भी इस्तेमाल होता है, लेकिन दुनिया के एक देश इससे हटकर चुनावों के दौरान मतदाताओं की अंगुली पर भगवा रंग लगाने का प्रयोग हुआ, जो आज भी जारी है। वैसे आपको बता दें कि चुनावी स्याही भारत से ही इन देशों में जाती है, इसे मैसूर की एक फैक्ट्री बनाती हैं। हालांकि अब जर्मनी समेत यूरोप के कई देशों से भी ये स्याही चुनाव के लिए कई देशों में भेजी जाती है। दुनिया में सबसे पहले ये अमिट स्याही भारत में ही बनाई गई। हालांकि कहा जाता है कि इसे एक कोलंबियाई केमिस्ट ने भारत में बनाया था। स्याही का विकास राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) द्वारा किया गया था। बाद में विज्ञान और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर),राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) ने स्याही का पेटेंट कराया और इसे उत्पादन के लिए मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड (एमपीवीएल) को लाइसेंस दिया। स्याही ने 1962 के आम चुनावों के दौरान भारत की चुनावी प्रक्रिया में अपनी शुरुआत की। इसका इस्तेमाल बताते हैं कि कर्नाटक के स्थानीय चुनावों में इस्तेमाल किया गया। भारत में आमचुनावों में इसको इस्तेमाल करने का आइडिया देश के तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन का था। दुनिया में सबसे पहले भारत में ही चुनावों में चुनावी स्याही का इस्तेमाल किया गया, ताकि कोई भी शख्स दोबारा वोट न डाल सके। यह स्याही ऐसी है, जो अंगुली पर एक बार लगाने के बाद कई दिनों तक बनी रहती है, इसे छुटाया नहीं जा सकता। इसके बाद यह दूसरे देशों में भी प्रचलन में आ गई। तो आइए अब आपको बताते हैं कि किस देश में चुनावी स्याही इस समय भगवा रंग की इस्तेमाल की जा रही है। इस देश का नाम सूरीनाम है, जहां पिछले दो दशकों से विधानसभा चुनावों में भगवा रंग की चुनावी स्याही इस्तेमाल हो रही है। 2005 के सूरीनाम विधान सभा चुनाव के लिए मतदाताओं की उंगलियों को चिह्नित करने के लिए रंग के रूप में बैंगनी की जगह नारंगी ने ले ली। ऐसा पाया गया कि यह लंबे समय तक चलता रहा। मतदाताओं ने भी इसे पसंद किया, क्योंकि ये राष्ट्रीय रंगों से मिलता जुलता था। सूरीनाम, दक्षिण अमेरिका का सबसे छोटा संप्रभु देश है। यह अटलांटिक महासागर के किनारे पर स्थित है। सूरीनाम की राजधानी पारामारिबो है। इसमें अलग जाति और धर्म के लोग रहते हैं लेकिन हिंदू धर्म से इस देश का खास कनेक्शन है। सूरीनाम में 18 फीसदी से ज्यादा लोग हिंदू हैं. यहां की आबादी में खासी संख्या है। सूरीनाम में हिंदू धर्म की कहानी 19वीं सदी में भारत में ब्रिटिश राज में शुरू होती है, तब जबकि डच और ब्रिटिश के बीच खास व्यवस्था के तहत भारतीय गिरमिटिया मजदूरों को औपनिवेशिक डच गुयाना भेजा गया। नीदरलैंड की हिंदू धर्म के प्रति उदार नीति ने वहां हिंदू धर्म को विकसित होने में मदद दी। वैसे सूरीनाम में प्रमुख धर्म ईसाई धर्म है। यहां रोमन कैथोलिकवाद और प्रोटेस्टेंटवाद के विभिन्न संप्रदायों के लोग रहते हैं, लेकिन हिंदुओं का व्यापार से लेकर सरकारी कामकाज और राजनीति में खासा दखल है। 2015 तक सूरीनाम में 129,440 हिंदू थे। सूरीनाम को 25 नवंबर, 1975 को आजादी मिली। फिलहाल वहां से राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद चान संतोखी हैं, जो 2020 से यहां राष्ट्रपति हैं और भारतवंशी हैं। दुनिया के 90 से ज्यादा देशों में चुनावी स्याही का इस्तेमाल वोट देने के बाद अंगुली में स्याही की छाप लगाने के लिए होता है, ताकि वो दोबारा वोट नहीं डाल सकें। उसमें अफगानिस्तान, अल्बानिया, अल्जीरिया, बहामास, कंबोडिया, चिली, डोमिनिक गणराज्य, मिस्र, ग्वाटेमाला, होंडूरास, इंडोनेशिया, इराक, केन्या, लेबनान, लीबिया, मालदीव्स, मैक्सिको, म्यांमार, नेपाल, निकारागुआ, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपीन्स, पेरू, सेंट किट्स, सोलोमन आईलैंड्स, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, सूडान, त्रिनिदाद, सीरिया, ट्यूनीशिया, तुर्की, वेनेजुएला और अमेरिका शामिल हैं।

मंदिर की घंटी जैसी आवाज की मल्लिका शमशाद बेगम

कजरा मुहब्बत वाला, अंखियों में ऐसा डाला, कजरे ने ले ली मेरी जान, हाय रे मैं तेरे कुर्बान, मेरे पिया गये रंगून, वहां से किया है टेलीफोन, लेके पहला पहला प्यार, भरके आंखों में खुमार, कभी आर कभी पार जैसे सदाबहार गीत आपने अवश्य सुने होंगे, भले ही इनकी गायिका का नाम युवा पीढ़ी को मालूम न हो। यह भी हो सकता है कि इनके रीमिक्स आपने सुने हों। इन गीतों को अपनी मधुर आवाज से सजाया है शमशाद बेगम ने, जो हिंदी सिनेमा में प्लेबैक देने वाली शुरुआती महिलाओं में से एक रहीं। वे नूरजहां व लता मंगेशकर दोनों से सीनियर थीं। बहुत बड़े-बड़े संगीतकार जैसे गुलाम हैदर, ओपी नय्यर, एसडी बर्मन, नौशाद, सी रामचन्द्र आदि उनकी आवाज के दीवाने थे। शमशाद बेगम ने सिर्फ़ उर्दू व हिंदी में ही सैंकड़ों गाने नहीं गाये बल्कि गुजराती, पंजाबी, मराठी, तमिल व बंगाली में भी उनके सैंकड़ों गाने हैं। शमशाद बेगम का जन्म 14 अप्रैल 1919 में लाहौर के एक परंपरा प्रेमी परिवार में हुआ था, इसलिए एक पार्श्व गायिका बनने के लिए उन्हें कड़ा संघर्ष करना पड़ा। पंद्रह साल की आयु में धर्म की दीवारें तोड़कर शादी की। हालांकि शमशाद बेगम ने गायन की कभी औपचारिक ट्रेनिंग नहीं ली थी, लेकिन उनमें प्रतिभा जन्मजात थी, जिसे सबसे पहले पहचाना 1924 में उनके प्राइमरी स्कूल के अध्यापक ने। उन्हें क्लासरूम प्रार्थना की मुख्य गायिका बना दिया गया। जब वे दस साल की हुईं तो धार्मिक समारोहों व परिवार की शादियों में गाने लगीं। साल 1931 में जब वे 12 साल की थीं तो उनके एक चाचा उन्हें जेनोफोन म्यूजिक कंपनी में ऑडिशन के लिए लेकर गये। लाहौर स्थित संगीतकार गुलाम हैदर उनकी आवाज से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने शमशाद बेगम को 12 गानों का कांट्रेक्ट दे दिया। शमशाद बेगम के पिता ने अपनी बेटी के गाने इस शर्त पर रिकॉर्ड होने दिए कि वह बुर्का ओढ़कर गायेंगी। निर्माता दिलसुख पंचोली ने शमशाद बेगम को अपनी फिल्म में रोल ऑफर किया था, लेकिन शमशाद बेगम के पिता ने यह मंजूर नहीं करने दिया। शायद यही वजह है कि अपने जीवन के अंत तक शमशाद बेगम अपने फोटो खिंचवाना पसंद नहीं करती थीं। साल 1933 और 1970 के बीच बहुत कम लोगों ने ही उनकी तस्वीरें देखीं। वह पब्लिसिटी से खुद को दूर रखती थीं। शमशाद बेगम ने शुरू में गाने की कोई ट्रेनिंग नहीं ली थी, लेकिन बाद में 1937 व 1939 के बीच उन्हें सारंगी उस्ताद हुसैन बख्शवाले साहब और गुलाम हैदर से औपचारिक ट्रेनिंग हासिल हुई। गुलाम हैदर ने अपनी शुरुआती फिल्मों में शमशाद बेगम की आवाज का भरपूर इस्तेमाल किया और जब 1944 में वे बॉम्बे शिफ्ट हो गये तो शमशाद बेगम भी लाहौर से उनकी टीम के साथ बॉम्बे शिफ्ट हो गईं। देश विभाजन के समय गुलाम हैदर पाकिस्तान चले गये और शमशाद बेगम दूसरे संगीतकारों के लिए भी गाने लगीं। नौशाद अपनी सफलता का श्रेय शमशाद बेगम को दिया करते थे। उनके अनुसार वे बहुत आहिस्ता बोलने वाली भावुक महिला थीं, जिन्हें पब्लिसिटी की कोई इच्छा नहीं थी। साल 2009 में शमशाद बेगम को ओपी नय्यर अवार्ड और पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। पब्लिसिटी की इच्छुक न होने के बावजूद शमशाद बेगम 1940 से 1955 तक और फिर 1957 से 1968 तक सबसे अधिक कमाई करने वाली महिला गायिका थीं। 1955 में उनके पति गणपत लाल बट्टो की एक हादसे में मृत्यु हो गई थी जिसके बाद उन्होंने गाना बंद कर दिया था। उन्हें फिर से गाने के लिए ओपी नय्यर ने मनाया। शमशाद बेगम की नय्यर से लाहौर में मुलाकात हुई थी, जब वे आल इंडिया रेडियो के लिए गाया करती थीं। जब 1954 में नय्यर को संगीतकार के रूप में ब्रेक मिला तो फिल्म मंगू के गानों की रिकॉर्डिंग के लिए सबसे पहले शमशाद बेगम के पास ही गये थे। नय्यर का कहना था कि शमशाद बेगम की आवाज अपनी टोन की स्पष्टता के कारण मंदिर की घंटी की तरह है। 1940 के दशक के अंत में मदन मोहन और किशोर कुमार शमशाद बेगम के गानों में कोरस गाया करते थे। उस समय शमशाद बेगम ने मदन मोहन से वायदा किया था कि वे जब संगीत निर्देशक बनेंगे तो वह उनके लिए कम फीस पर भी गायेंगी। उन्होंने अपना वायदा निभाया। उन्होंने किशोर कुमार के बारे में भविष्यवाणी की थी कि वह महान गायक बनेंगे। उन्होंने किशोर के साथ युगल गीत भी गाये। लम्बी बीमारी के बाद शमशाद बेगम का मुंबई स्थित अपने निवास पर 23 अप्रैल 2013 को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे अपने पीछे अपनी बेटी उषा रात्रा को छोड़ गई। 1957 में प्रदर्शित फिल्म मदर इंडिया में नरगिस के लिए शमशाद बेगम ने होली का गीत गाया - होली आई रे कन्हाई रंग छलके सुना दे जरा बांसुरी। इसी तरह नया दौर 1957 में प्रदर्शित हुई थी। उसका एक गीत रेशमी सलवार कुर्ता जाली का, रूप सहा नहीं जाए नखरे वाली का। यह गीत लड़के- लड़कियां गुनगुनाते हुए नजर आते थे। मुगले आजम 1960 में आई थी। उसमें बेगम साहिबा ने कव्वाली गायी थी- तेरी महफिल में हम किस्मत आजमा के देखेंगे। 1968 में प्रदर्शित हुई फिल्म किस्मत में गाया गीत कजरा मोहब्बत वाला अंखियों में ऐसा डाला भी बहुत प्रसिद्ध हुआ था। शमशाद बेगम के गानों में चंचलता, रुलाई, अल्हड़पन, मस्ती, शोखी, आदि सभी प्रकार के भाव दिखाई देते थे। यह भी सुनने में आता है कि लता मंगेशकर के साथ उनकी बनती नहीं थी। शमशाद बेगम ने बिना किसी संगीत विद्यालय की तालीम लिए ही कई कर्णप्रिय गीत गाए। यह बात आजकल की लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनके गाए गीतों के माध्यम से वे हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगी।

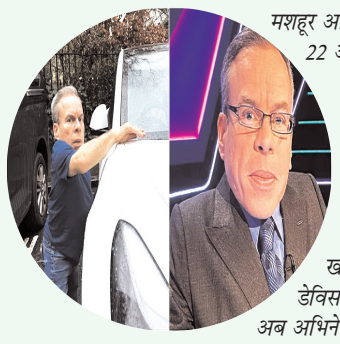

क्रिप्टिक पोस्ट करके वारविक डेविस ने बढ़ाई प्रशंसकों की चिंता, अब एक्टर के बच्चों ने दी ये सफाई

मशहूर अभिनेता वारविक डेविस ने सोमवार 22 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक ऐसा पोस्ट साझा किया, जिसने उनके चाहने वालों की चिंता बढ़ा दी। एक्टर के क्रिप्टिक पोस्ट पर लोग तरह-तरह के कयास लगाने लगे। बीते महीने मार्च में अभिनेता ने अपनी पत्नी सामंथा डेविस को खो दिया। मशहूर अभिनेत्री सामंथा डेविस का 24 मार्च को निधन हो गया। अब अभिनेता ने ऐसा पोस्ट किया कि यूजर्स परेशान हो गए। हालांकि, पिता के इस पोस्ट पर अब उनके बच्चों ने सफाई दी है। ***पिता के पोस्ट पर बच्चों ने दी ये सफाई*** *वारविक डेविस के बच्चों ने उनके पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए फैंस की चिंता दूर की है। क्रिप्टिक पोस्ट के बाद परेशान हुए अभिनेता के प्रशंसकों से भी बच्चों ने बाकायदा माफी मांगी है। साथ ही यह सूचना दी है कि अब उनके पिता कुछ वक्त सोशल मीडिया से दूर रहेंगे।* ***अभिनेता की तरफ से कही ये बात*** *वारविक डेविस ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से पोस्ट साझा किया और लिखा, यहां से अब मैं विवाद लेता हूं। इस पोस्ट पर उनके चाहने वालों ने कमेंट करने शुरू कर दिए। लोग जानना चाह रहे थे कि आखिर वारविक को क्या हुआ है। क्या वह किसी परेशानी में हैं? प्रशंसकों की भावनाओं को समझते हुए वारविक के बच्चों ने पिता के पोस्ट को दोबारा शेयर करते हुए लिखा, %हमारे पिता का इतना ख्याल करने के लिए आप सभी का शुक्रिया। वे कुछ वक्त सोशल मीडिया से दूरी बना रहे हैं। उनके पिछले पोस्ट से अगर आप सभी को तकलीफ हुई हो तो उसके लिए वे माफी मांग रहे हैं। आपके प्यार और सहयोग के लिए हम आपके आभारी हैं।* ***1988 में हुई थी सामंथा से मुलाकात*** *मालूम हो कि पत्नी के चले जाने के बाद वारविक डेविस गम में डूबे हैं। सामंथा और वारविक की मुलाकात साल 1988 में विलो के सेट पर हुई थी और इस जोड़े ने कई साल बाद शादी कर ली। 1995 में, सामंथा और वारविक डेविस ने विलो मैनेजमेंट की स्थापना की, जो छोटे अभिनेताओं के लिए एक प्रतिभा कंपनी थी और 2012 में उन्होंने लिटिल पीपल यूके की स्थापना की, जो बौनेपन समुदाय के लिए एक धर्मार्थ संसाधन है।*

सात महीने में कुछ ऐसे तैयार हुआ संजय लीला भंसाली का सबसे बड़ा सेट, 700 मजदूरों ने लगा दी जान

बॉलीवुड में संजय लीला भंसाली अपनी फिल्मों की भव्यता के लिये जाने जाते हैं। निर्देशक बड़े और भव्य सेट का इस्तेमाल करने के मशहूर हैं। भंसाली ने 'देवदास', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसी फिल्मों में अपने सेट की भव्यता का प्रदर्शन किया। हाल ही में निर्देशक की वेब सीरीज 'हीरामंडी' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। वेब सीरीज 1 मई को नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी। सीरीज का ट्रेलर देखकर ही इसकी भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है। 'हीरामंडी' की कहानी अंग्रेंजो के शासनकाल में भारत के लाहौर में तवायफों के इर्द-गिर्द घूमती है।

तीन एकड़ में बना हीरामंडी का सेट निर्देशक ने एक साक्षात्कार में बताया कि उन्हें बड़े सेट से लगाव है। भंसाली ने बातचीत में बताया की 'हीरामंडी' का सेट अब तक का उनका सबसे बड़ा सेट है। यह सेट तीन एकड़ में फैला हुआ है। इस सेट को तैयार करने के लिए 700 कारीगरों की एक टीम ने मुंबई की फिल्म सिटी में लगभग 60 हजार लकड़ी के तख्तों और धातु के फ्रेमों पर सेट बनाने के लिए सात महीने तक काम किया।

क्या-क्या है 'हीरामंडी' के महल में? 'हीरामंडी' के सेट या महल में ख्वाबगाह (कमरे) एक शानदार सफेद मस्जिद, एक विशाल प्रांगण, एक नृत्य कक्ष, पानी के फव्वारे, एक औपनिवेशिक दिखने वाला कमरा, सड़कें, दुकानें और अन्य छोटे कोठे और एक हम्माम कमरा भी शामिल है, जो अमीरी को प्रदर्शित करता है।

भंसाली की देखरेख में बना सेट निर्देशक संजय लीला भंसाली ने आगे कहा, 'उत्कृष्टता का पीछा किया जा सकता है, इसे कभी हासिल नहीं किया जा सकता।' मुगल लघु चित्र, भित्तिचित्र, ब्रिटिश अधिकारियों के औपनिवेशिक चित्र, खिड़की के फ्रेम पर चांदी का काम, फर्श पर मीनाकारी नक्काशी, बारीक नक्काशीदार लकड़ी के दरवाजे और यहां तक कि झूमर भी भंसाली की देखरेख में हाथों से बनाए गए थे।

18 सालों से हीरामंडी बनाने की सोच रहे थे भंसाली भंसाली ने खुलासा किया कि हीरामंडी का विचार उनके मन में 18 सालों से चल रहा था। बता दें कि फिल्म में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

ऑस्कर अवार्ड के नियमों में हुए बड़े बदलाव कई पुरस्कारों के भी बदले नाम

साल 2025 में होने वाले अकादमी पुरस्कारों के नियमों में बदलाव किए गए हैं। अकादमी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने 2 मार्च को आयोजित होने वाले 97वें ऑस्कर समारोह के लिए नए पुरस्कार नियमों को मंजूरी दे दी है। बता दें कि ओरिजनल स्कोर कैटेगरी में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं। नए नियमों के अनुसार जो फिल्में एक सप्ताह पहले रिलीज हुई है वो ऑस्कर के योग्य नहीं मानी जाएंगी।

संगीत के लिए मिलने वाले नियमों में बदलाव संगीतकारों के लिए नए नियम काफी लाभदायक होने वाले हैं। अब, अधिकतम तीन संगीतकार व्यक्तिगत ऑस्कर प्रतिमाएं प्राप्त कर सकते हैं, यदि उन सभी ने किसी फिल्म के संगीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे पहले सभी संगीतकारों को एक समूह के रूप में प्रस्तुत करना आवश्यक था। वहीं, इस श्रेणी में शॉर्टलिस्ट को 15 से 20 नामों तक विस्तारित किया गया है, जिसकी घोषणा जनवरी में आधिकारिक नामांकन मतदान अवधि शुरू होने से पहले दिसंबर के अंत में की जाएगी।

ड्राइव-इन थिएटरों पर दिखाई गई फिल्में नहीं होंगी पात्र अकादमी अब ड्राइव-इन थिएटरों को ऑस्कर पात्रता के लिए योग्य स्थल के रूप में मान्यता नहीं देगी, यह उपाय अस्थायी रूप से 2020 में अपनाया गया था जब

इनडोर मूवी थिएटर बंद कर दिए गए थे। उस वर्ष अकादमी ने महामारी के कारण स्ट्रीमिंग और वीओडी प्लेटफार्मों पर दिखाई जाने वाली फिल्मों को भी नॉमिनेशन की अनुमति दी थी।

बेस्ट पिक्चर के लिए होंगे ये नियम किसी फिल्म को बेस्ट पिक्चर के लिए नॉमिनेट होने के लिए उसे साल 2023 के नियमों की शर्तों को पूरा करना होगा। इनमें छह अमेरिकी बाजारों में से एक में एक सप्ताह का क्वालीफाइंग रन शामिल है। इसके अनुसार 45 दिनों के अंदर शीर्ष 50 अमेरिकी शहरों में से 10 में लगातार प्रदर्शन होना चाहिए। वहीं, 10 जनवरी 2025 के बाद योजनाबद्ध विस्तार के साथ साल के अंत में रिलीज होने वाली फिल्मों को अपनी रिलीज योजना अकादमी द्वारा सत्यापित करानी होगी और 24 जनवरी 2025 तक अपना प्रदर्शन पूरा करना होगा।

रेज फॉर्म करना होगा जमा इसके अलावा, ऑस्कर के शीर्ष पुरस्कार के लिए फिल्मों को अकादमी प्रतिनिधित्व और समावेशन मानक प्रविष्टि (ऋड्ढस्र) फॉर्म जमा करना होगा, जो चार मानकों में से कम से कम दो को पूरा करता हो। वितरकों और उत्पादन टीमों को फिल्म के पहले क्वालीफाइंग प्रदर्शन की तारीख तक पीजीए मार्क प्रमाणन के लिए आवेदन करना होगा। बता दें कि अब स्क्रिनप्ले कैटेगरी में शूटिंग स्क्रिप्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

एनिमेटेड फिल्में भी होंगी शामिल सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर श्रेणी के लिए पात्र एनिमेटेड फिल्मों को सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फीचर के लिए भी शामिल किया जा सकता है, यदि वे दोनों श्रेणियों के मानक को पूरा करती हैं। अंतरराष्ट्रीय फीचर के लिए पात्रता अवधि 1 नवंबर 2023 से 30 सितंबर 2024 तक रखी गई थी।

पुरस्कारों के नाम भी बदले इतना ही नहीं गवर्नर्स अवॉर्ड्स में भी कुछ बदलाव किए गए हैं। इरविंग जी. थालबर्ग मेमोरियल अवार्ड, जो एक रचनात्मक निर्माता के लगातार उच्च गुणवत्ता वाले काम के लिए दिया जाता है। अब थालबर्ग की पारंपरिक प्रतिमा के बजाय ऑस्कर प्रतिमा के रूप में दिया जाएगा। वहीं, वैज्ञानिक और तकनीकी पुरस्कारों में दो पुरस्कारों का नाम भी बदल दिया गया है गॉर्डन ई. सॉयर पुरस्कार अब 'वैज्ञानिक और तकनीकी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार' के नाम से जाना जाएगा। जॉन ए. बोनर पुरस्कार का नाम बदलकर 'वैज्ञानिक और तकनीकी सेवा पुरस्कार' कर दिया गया है।

हल्दी सेरेमनी में जमकर नाचीं आरती सिंह, दूल्हे ने दुल्हन को गोद में उठाकर किया डांस

टीवी अभिनेत्री आरती सिंह की शादी के दिन नजदीक आ गए हैं। ऐसे में शादी से पहले होने वाले सभी रस्मों-रिवाज निभाए जा रहे हैं। आरती की हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। इनमें आरती अपने भाई कृष्णा अभिषेक के साथ जमकर डांस करती नजर आ रही हैं। साथ ही दूल्हे राजा दीपक ने तो अपनी होने वाली दुल्हन को गोद में ही उठा लिया और जमकर डांस किया। इस बात से खुश आरती ने उन्हें पूरे परिवार के सामने किस भी किया।

आरती की शादी दीपक ने आरती को एक मंदिर में अंगूठी के साथ प्रपोज किया था। आरती सिंह अपने बॉयफ्रेंड दीपक चौहान के साथ शादी रचाने वाली हैं। शादी की पूरी तैरियां हो चुकी हैं। आरती के भाई कृष्णा अभिषेक और उनकी भाभी कश्मीरा शाह उनके इस खास दिन को और खास बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि वह अपनी शादी को एंजॉय नहीं कर पाए थे, क्योंकि उन्होंने भागकर शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में कश्मीरा शाह ने खुलासा किया था कि वह अपनी शादी को एंजॉय नहीं कर पा रहे थे क्योंकि वे भाग गए थे। इसलिए कश्मीरा अपनी ननद आरती की शादी में सारी कसर पूरी करना चाहती हैं।

आरती-कृष्णा का डांस इस खास मौके को और भी खास बना दिया कृष्णा के मुजरे ने। इस मौके पर कृष्णा ने अपनी बहन के साथ मुजरा डांस किया, जिसे देखकर पूरा परिवार खुशी से झूठ उठा। इसके साथ ही दूल्हे राजा दीपक ने तो अपनी होने वाली दुल्हनियां को गोद में उठाकर जमकर डांस किया। पूरा माहौल खुशी से झूम रहा था।

आरती का लुक इस दौरान आरती ने गुलाबी रंग की ब्रालेट-चोली के साथ हल्के हरे रंग का लहंगा पहने हुआ है। आरती लंबे फूलों वाले कलीरे पहनकर बेहद खुश लग रही थीं। होने वाली दुल्हन ने अपना हल्दी-रंगा चेहरा भी दिखाया और दिल खोलकर डांस किया। एक बार फिर उनके साथ उनकी कजिन रागिनी खन्ना भी दिखीं। आरती सिंह इस साल 25 अप्रैल को मुंबई के बिजनेसमैन दीपक चौहान से शादी करने जा रही हैं। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और हाल ही में आरती ने काशी विश्वनाथ मंदिर में अपनी शादी का निमंत्रण भगवान को अर्पित किया।

12वीं फेल के खाते में एक और उपलब्धि, टूलूज फिल्म फेस्टिवल में जीता सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी विक्रांत मैसी और मेधा शंकर अभिनीत फिल्म 12वीं फेल को मिलने वाला प्यार और पुरस्कार रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। फिल्म को मिली शानदार समीक्षाओं और अपार सराहना के साथ अब आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की बायोपिक ने एक और खिताब अपने नाम किया। फिल्म ने भारत भर की सभी भाषाओं की पंद्रह अन्य फिल्मों के बीच नामांकित होने के बाद टूलूज फिल्म फेस्टिवल के 9वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार फिल्म ने जीता बेहतरीन फिल्म का पुरस्कार 12वीं फेल फिल्म को टूलूज फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला है। फिल्म के निर्माता-निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा की टीम ने इसकी जानकारी दी। टीम ने इंस्टाग्राम पर लिखा, टूलूज फिल्म समारोह में 12वीं फेल को भारतीय सिनेमा वर्ग में बेस्ट फिल्म का खिताब मिला है।

एलएसडी 2 पर भारी पड़ी दो और दो प्यार, जानें बड़े मियां छोटे मियां-मैदान का हाल

बीते हफ्ते शुक्रवार के दिन सिनेमाघरों में नई फिल्मों की दस्तक हुई, लेकिन वे दर्शकों का मनोरंजन करने में सफल नहीं हो पाई। अभी पूरी तरह से एक हफ्ता भी नहीं बीता है और बॉक्स ऑफिस पर दो और दो प्यार और एलएसडी 2 की हालत पस्त होने लगी है। वहीं, इससे पहले रिलीज हुई फिल्मों बड़े मियां छोटे मियां, मैदान और क्रू का भी लगभग यदि हाल है। हालांकि, पहले रिलीज हुई फिल्में इस हफ्ते आई फिल्मों पर भारी पड़ रही हैं। कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस को अलविदा कहने के कगार पर हैं तो वहीं कुछ में अभी भी जान बाकी है। ऐसे में आइए जानते हैं कि बीते दिन सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों का प्रदर्शन कैसा रहा...

एलएसडी 2

दिबाकर बैनर्जी के निर्देशन में बनी एलएसडी 2 की शुरुआत ही खस्ता तरीके से हुई थी। पहले दिन ही फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई थी। फिल्म को रिलीज हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन एक भी दिन इसकी कमाई ने करोड़ का आंकड़ा छूने की बात तो दूर उसके निकट तक नहीं पहुंच पाई। फिल्म ने पहले दिन 15 लाख रुपये कमाए थे और गुजरते दिनों के साथ इसमें भी गिरावट आई। सोमवार को यानी चौथे दिन फिल्म ने आठ लाख रुपये की कमाई की। अब फिल्म का कुल कलेक्शन 73 लाख रुपये हो चुका है।

दो और दो प्यार

विद्या बालन, इलियाना डिक्रूज और प्रतीक गांधी जैसे सितारों से सजी फिल्म दो और दो प्यार का प्रदर्शन भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रहा। हालांकि, एलएसडी 2 के मुकाबले यह दर्शकों को यादा आकर्षित करने में कामयाब रही। इस फिल्म ने भी रिलीज के दिन करोड़ का आंकड़ा नहीं छुआ था और न ही अब तक छु पाई है। पहले दिन फिल्म का खाता 55 लाख रुपये पर खुला था। वहीं, बीते दिन सोमवार को यानी चौथे दिन फिल्म की कमाई में गिरावट आई। दो और दो प्यार ने 25 लाख रुपये बटोरे और इसका कुल कलेक्शन 2.6 करोड़ रुपये हो गया।

बड़े मियां छोटे मियां

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों को पसंद आई, लेकिन गुजरते दिनों के साथ इसकी कमाई में भी गिरावट देखी जा रही है। अब बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की रफ्तार धीमी हो चुकी है। रविवार की छुट्टी का फिल्म को फायदा मिला था और इसने 2.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी, लेकिन अब इसकी कमाई में भारी गिरावट आई है। फिल्म ने सोमवार को यानी 12वें दिन एक करोड़ रुपये ही बटोरे। वहीं, अब फिल्म का कुल कलेक्शन 56.55 करोड़ रुपये हो चुका है।

मैदान

अक्षय-टाइगर की बड़े मियां छोटे मियां से ही अजय देवगन की मैदान की भिड़ंत हुई थी, जिसके चलते फिल्म को कम कमाई में ही संतोष करना पड़ा। बड़े मियां छोटे मियां के मुकाबले मैदान का प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस पर फीका रहा। हालांकि, फिल्म की कहानी और सितारों की अदाकारों को दर्शकों और समीक्षकों ने सराहा।

पत्नी मीरा के साथ रोमांटिक डिनर डेट पर गए शाहिद लेडी लव की फोटो खींचने पर पैपराजी पर भड़के

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की शानदार सफलता के बाद जश्न करना तो बनता है। यही वजह है कि फैंस का सबसे पसंदीदा कपल कल शाम रोमांटिक डिनर डेट पर गया। डिनर के बाद दोनों जब रेस्ट्रॉन्ट से बाहर निकले तो वहां मौजूद पैपराजी को देखकर शाहिद यादा खुश नजर नहीं आए बल्कि वह उनपर गुस्सा होने लगे। अभिनेता ने पैपराजी को जमकर डांट लगाई और सही से बर्ताव करने को कहा।

रेस्टोरेंट के बाहर का नजारा रेस्टोरेंट से बाहर निकलते वक्त शाहिद पत्नी मीरा राजपूत का हाथ थामे बाहर की तरफ आ रहे थे। लेकिन जैसे ही वे रेस्टोरेंट से बाहर निकले तो पैपराजी उनकी फोटो क्लिक करने लगे। लेकिन यह बात शाहिद को बर्दाश्त नहीं हुई और वह अचानक ही पैपराजी पर जमकर बरसने लगे। शाहिद का मूड काफी अपसेट दिख रहा था, उन्होंने पैपराजी को जमकर फटकार लगाई और उन्हें फोटो

खींचने से भी मना किया।

शाहीद-मीरा का वायरल वीडियो वीडियो में शाहिद की नाराजगी साफ झलक रही है।उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार देखा जा रहा है। इस वीडियो पर लोगों के जमकर कमेंट्स आ रहे हैं। कुछ लोग शाहीद को स्पोर्ट कर रहे हैं, तो वहीं कुछ उन्हें उनके इस बर्ताव के लिए सलाह दे रहे हैं। इस वीडियो में शाहिद काफी नाराज दिख रहे हैं और बार-बार वह पैपराजी को रुकने का इशारा करते दिख रहे हैं। शाहिद ने कहा, यार, क्या आप लोग बंद करोगे, क्या आपलोग जरा सही से बिहेव करोगे?।

यूजर के कमेंट्स एक यूजर ने कहा, शाहिद ने मीरा का हाथ जबरदस्ती पकड़ा हुआ है। एक और यूजर ने कहा, शाहिद कपूर का परमानेंट एटिट्यूड। एक और यूजर ने लिखा, (शाहिद-मीरा) दोनों में ही जमकर एटिट्यूड भरा है। तो वहीं शाहिद के फैंस पैपराजी पर नाराजगी जताते नजर आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर निर्देशक सचिन बी रवि की फिल्म द इम्मोर्टल अश्वत्थामा और आदित्य निम्बालकर के निर्देशन में बुल में नजर आएंगे।

एक युवक को गोली मारकर घायल किया, घायल युवक अपने दोस्त के साथ हुए विवाद में मामला निपटाने गया था

वारदात को अंजाम देकर आरोपी हुआ फरार, पुलिस जांच में जुटी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, हर के पॉश ऐरिया आवास-विकास में जैन डिग्री कॉलेज के पास एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया। युवक अपने दोस्त के साथ हुए विवाद में मामला निपटाने गया था। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया। कोतवाली सदर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया।कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र के मोहल्ला पंजाबी निवासी अनुज का चार दिन पूर्व लेबर कॉलोनी में रहने वाले एक युवक से विवाद हो गया था। अनुज ने बताया कि आरोपी युवक लगातार उसको धमकी दे रहा था। वह जेवी जैन डिग्री कॉलेज के मैदान पर बॉस्केट बॉल खेल रहा था। इसी दौरान आरोपी युवक का फोन आया, जिसने उसे धमकी दी और मिलने के लिए कहा। अनुज ने आरोपी को जैन कॉलेज के पास बुला लिया। इसके साथ ही अपने दोस्त विपिन कुमार निवासी चांदनपुर कोतवाली रामपुर मनिहारान को भी बुलाया। अनुज के बताए स्थान पर आरोपी पहुंच गया। अनुज और आरोपी के बीच विवाद हो गया। अनुज का कहना है कि आरोपी ने एक हाथ में पिस्टल और दूसरे में तमंचा ले रखा था। विवाद के दौरान विपिन कुमार ने बीच-बचाव कराया। आरोपी ने तमंचे से गोली चला दी, जो विपिन की कोख लगते हुए आरपार हो गई। विपिन लहुलूहान हालत में जमीन पर गिर गया। मौके से आरोपी फरार हो गया। अनुज विपिन को जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। सूचना पर परिजन भी अस्पताल आ गए। हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने विपिन को हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं, चर्चा है कि इनमें प्रोपर्टी खरीदने-बेचने को लेकर पहले भी विवाद हो चुका है, लेकिन इस पर कोई कुछ नहीं बोल रहा है। कोतवाली सदर बाजार प्रभारी संतोष त्यागी ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। संतोष त्यागी ने बताया कि गोली मारने वाले का नाम नीशू पंडित निवासी नवादा रोड बताया जा रहा है। परिजनों की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा, राजकीय मेडिकल कॉलेज में हीट स्ट्रोक वार्ड बनाया जाएगा

जिसमें 20 बेड होंगे, जरूरत पड़ने पर बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, गर्मी में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में राजकीय मेडिकल कॉलेज में हीट स्ट्रोक वार्ड बनाया जाएगा। जिसमें 20 बेड होंगे। जरूरत पड़ने पर बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी। वार्ड में गर्मी से राहत देने के लिए कूलर सहित ठंडे पानी की व्यवस्था रहेगी। भीषण गर्मी को देखते हुए जिला अस्पताल से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों पर हीट स्ट्रोक वार्ड के इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि लोगों का हीट स्ट्रोक से बचाव किया जा सके। हीट स्ट्रोक से लोगों में भटकाव, भ्रम, चिड़चिड़ापन, बहुत तेज सिरदर्द, बेहोशी, मांसपेशियों में ऐंठन और तेज धड़कन की समस्या का खतरा रहता है। इसलिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भी हीट स्ट्रोक वार्ड बनाने की तैयारी चल रही है। मेडिसिन विभाग में 20 बेड का हीट स्ट्रोक वार्ड बनाया जाएगा। इसमें मरीजों के लिए दो कूलर रखें जाएंगे। दवा पर्याप्त मात्रा में रहेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव मांगलिक ने बताया कि गर्मी में अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो सावधान रहे। तत्काल किसी ठंडी जगह पर जाएं और तरल पदार्थ पीएं। डॉक्टर को जरूर दिखाएं। बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। डॉ. सुधीर राठी, प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज ने बताया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज के मेडीसिन विभाग में 20 बेड का हीट स्ट्रोक वार्ड बनाया जाएगा। इसकी तैयारी की जा रही है। गर्मी से बचाव के लिए वार्ड में दो कूलर भी रखे जाएंगे। हीट स्ट्रोक वार्ड के आसपास ठंडे पानी की व्यवस्था रहेगी। जरूरत पड़ने पर बेडों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

देवबंद-बरला मार्ग स्थित गोपाली गांव के समीप हुए सडक हादसे में कई मजदूर हुए घायल

घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद-बरला मार्ग स्थित गोपाली गांव के समीप एक सडक हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवबंद-बरला मार्ग स्थित गोपाली गांव के समीप देवबंद से बरला की तरफ जा रही कार अपने आगे चल रही ट्रैक्टर के पीछे बंधी लिंटर डालने की मशीन से टकरा गई। हादसे में गोपाली निवासी कार सवार सादिक पुत्र शाहनजर, शादान पुत्र राशिद, शायान पुत्र यामीन व इस्तेखार पुत्र प्रवेज तथा मजदूर महताब, शादाब, वसीम, सरजू, मबारिक, मौबीन, शादाब, आबाद, आदाब, साबिर व लुकमान निवासी बसेड़ा (छपार) मुजफ्फरनगर घायल हो गए। सभी घायल मजदूर गोपाली में लिंटर डालने जा रहे थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दमोह में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का किया गया आयोजन

तिरंगा आहार एवं पोषण के स्त्रोत के संबंध में किशोर-किशोरियों को किया गया जागरूक

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि कुपोषण को दूर करने एवं अच्छा स्वास्थ्य पाने में रोजाना तिरंगा भोजन का सेवन बच्चों और बड़ों के लिए बेहद अहम है। उन्होने बताया कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा आहार की बात एवं पोषण के स्त्रोत के संबंध में किशोर-किशोरियों को जागरूक करने हेतु जिले के समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्र पर क्लस्टर बैठक का आयोजन गत दिवस किया गया। ग्राम भारती महिला मंडल के मास्टर ट्रेनर द्वारा कॉमिक बुक के जरिए तिरंगा आहार सेवन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। राज्य प्रशिक्षक वरूण दुबे एवं जिला सी.पी.एच.सी. कंसलटेंट ओ.पी. पटेल ने उप स्वास्थ्य केन्द्र कुलुआ व रौंड, नोहटा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचकर बैठक में शामिल हुये। इस दौरान राज्य प्रशिक्षक वरूण दुबे ने बताया कि शरीर को चुस्त, क्रियाशील और बीमारियों से सुरक्षा के लिए रोजाना थाली में तिरंगा भोजन को शामिल करें। तिरंगा भोजन में नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ जैसे सभी अनाज, पीली दालें, चना, राजमा, आलू, पपीता, गाजर, केला, टमाटर का सेवन शरीर को शक्ति देता है वहीं शरीर के वृद्धि और विकास के लिए सफेद रंग जैसे दूध, दूध से बनी चीजें जैसे दही, छाछ, पनीर, चावल, मूली, शलजम, लहसुन का सेवन गुणकारी है। वहीं हरे रंग के खाद्य पदार्थों में सभी सब्जियां जैसे पालक, मैथी, बथुआ, चैलाई, पत्ता गोभीए, फूल गोभी, भिन्डी जैसी हरी सब्जियां का सेवन बीमारियों से सुरक्षा देता है।

सहारनपुर के देवबंद में मां श्री त्रिपुर बाला सुंदरी शक्तिपीठ पर रही श्रद्धालुओं की भारी भीड

चौदस पर श्रद्धालुओं ने देवी मां के दर्शन कर हलवा-पूरी का प्रसाद चढाया और मनौती मांगी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, आज चतुर्दशी (चौदस) देवी की मुख्य पूजा के दिन देवबंद के दूर-दूर तक विख्यात श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ पर देवी दर्शन और प्रसाद चढाने के लिए प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड उमडी रही। बीती देर रात से श्रद्धालु शक्तिपीठ पर पहुंचना शुरू हो गए थे। प्रातः तीन बजे देवी मां को प्रसाद चढना शुरू हुआ। इस वक्त देवी मां के भवन से लेकर बडी दूर तक श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई थी। सभी श्रद्धालुओं द्वारा देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद चढाया गया और मनौती मांगी गई। इसी के साथ बीती देर शाम देवबंद के श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी शक्तिपीठ के मैदान पर हर वर्ष की भांति चौदस पर लगने वाले विशाल मेले का उद्घाटन भी सहारनपुर के लोकप्रिय जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। देवबंद में स्थित उत्तरी भारत का ऐतिहासिक, पौराणिक एवं विश्व प्रसिद्ध लाखों लोगों की आस्था एवं श्रद्धा का प्रतीक श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी का यह शक्तिपीठ आदि-अनादिकाल से मौजूद है। देवबंद शक्तिपीठ पर विराजमान देवी मां के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में ऐसा अटूट विश्वास है कि मां बाला सुंदरी की सच्चे मन से पूजा-अर्चना और आराधना करने वाले सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती है। देवबंद शक्तिपीठ की एक खासियत यह भी हैं कि देश में प्राचीन समय में छूआ-छूत के चलते समय भी इस शक्तिपीठ के द्वार कभी दलितों के लिए बंद नहीं हुए और मां का आंचल हमेशा सभी के लिए खुला रहा। जिसका उदाहरण यह हैं कि गर्भगृह के समक्ष स्थापित मां के वाहन (सिंह) की प्रतिमा की सेवा एक बाल्मीकि परिवार द्वारा की जाती हैं। वहीं यहां नगाड़े बजाने की परंपरा में अक्सर मुस्लिम धर्म के लोगों का भी सहयोग रहता हैं। मां भवानी राज राजेश्वरी श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी महाशक्ति जगदंबा का रूप है। ब्रहा-विष्णु और महेश तीन पुर (शरीर) जिनमें है, वह त्रिपुर बाला है। तंत्रसार के मुताबिक मां राजेश्वरी त्रिपुर बाला सुंदरी प्रातः कालीन सूर्य मंडल की आभा वाली है। इनकी चार भुजा एवं तीन नेत्र है। वह अपने हाथ में पाश, धनुष-बाण और अंकुश लिए हुए है तथा उनके मस्तक पर बालचंद्र सुशोभित है। मां त्रिपुर बाला सुंदरी ने 105 ब्रहमांडों के अधिपति भंडासुर का वध किया जबकि चौदह भुवन का एक ब्रहमांड होता है और एक ब्रहमांड में चौदह लोक होते है। मां श्री त्रिपुर बाला।

सुंदरी देवी की उपासना करने वालो को भोग और मोक्ष दोनो प्राप्त होते है। मां त्रिपुर बाला सुंदरी ने भगवती लक्ष्मी की आराधना की थी। जिससे प्रसन्न होकर भगवती लक्ष्मी ने अपना उपनाम 'श्री' मां त्रिपुर बाला सुंदरी को अपने नाम से पहले धारण करने को कहा। इसीलिए उन्हें श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी कहा जाता है। देवबंद की वर्तमान स्थिति से उसके गौरवशाली अतीत का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है लेकिन देवबंद एक प्राचीन एवं महत्वपूर्ण नगर है इसका प्रमाण यहां के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ से जरूर मिलता है। कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पूर्व यहां के गहन वन में देवी दुर्गा के निवास के कारण यह नगर कभी 'देवीवन' के नाम से प्रसिद्ध था। कालांतर में जो 'देवी बंद' और फिर देवबंद कहा जाने लगा। एक अन्य मतानुसार 'दुर्ग' नाम के असुर का इसी स्थान पर संहार करने के कारण दुर्गा देवी की देवताओं द्वारा वंदना करने के कारण यहां का नाम 'देवी वन्दना' स्थल पड़ा जो बाद में 'देवीवन्दन' और फिर देवबंद हो गया। पौराणिक मत है कि देवताओं के बहुत अधिक संख्या में निवास करने के कारण इस स्थान को देववृन्द कहा जाता था, जो बाद में देवबंद हो गया। देवी का यह शक्तिपीठ वर्तमान में किसने बनवाया इसका कोई उल्लेख नहीं मिलता है लेकिन राजा रामचंद्र मराठा द्वारा मंदिर के अंतिम जीणोद्धार की बात कही जाती है। गर्भगृह के तीन चौथाई भित्ति चित्र नष्ट हो चुके है। नगर का यह शक्तिपीठ कितना प्राचीन है यह तो निश्चित रूप से नहीं बताया जा सकता किंतु यह कम से कम 200 वर्ष पुराना अवश्य है। महाभारत काल में पवित्र गंगा के यहां से होकर प्रवाहित होने का विवरण मिलता है। घने जंगलों के बीच प्रकृति की सुरम्य गोद में पतित पावनी गंगा के तट की इस मनोरम जगह पर पाण्डवों ने द्रौपदी के साथ अज्ञातवास के कुछ दिन यहां बिताए थे। उसी दौरान अर्जुन ने इस शक्तिपीठ की साधना भी की थी। समय के साथ अनेक साम्राज्य और धार्मिक संप्रदाय आये किंतु इस शक्तिपीठ की मान्यता लगातार बढ़ती ही चली गई। ऐसी मान्यता है कि यहां स्थापित प्रतिमा एकाएक प्रकट हुई थी। यह प्राकृतिक रूप में है और हमेशा चांदी के गिलासनुमा बर्तन से ढकी रहती है। पुजारी प्रतिदिन आंखे व कपाट बंद करके मां को स्नान आदि कराकर पुनः उसी बर्तन से ढक देते है और कहीं पर किसी भी शक्तिपीठ में देवी मां का ऐसा रूप देखने को नहीं मिलता है। कहा जाता है। एक पुरानी मान्यता के मुताबिक इस शक्तिपीठ का संबंध उस घटना से जुड़ा है जब भगवान शंकर सती को कंधे पर उठाए लिए जा रहे थे तब जिन स्थानों पर विभिन्न अंग गिरे वहीं विभिन्न पीठ स्थापित हुए जिनमें से देवबंद का श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ भी एक है। मंदिर की स्थापना के विषय में मार्कण्डेय पुराण में लिखा है कि एक बार भंडासुर राक्षस से त्रस्त जनता के प्राणो की रक्षा के लिए इस स्थान पर देवताओं ने महामाया से अनुनय की थी। लोगों की प्रगाढ़ आस्था का केंद्र बना यह शक्तिपीठ अपने भक्तों और श्रद्धालुओं की संख्या को गंगा की अविरल धारा की भांति लगातार बढ़ाता ही जा रहा है। देवबंद शक्तिपीठ की हमेशा से ही यह एक रहस्यपूर्ण बात रही है कि शक्तिपीठ पर चैत्र सुदी (चौदस) जो की देवी की मुख्य पूजा का दिन है उससे एक दिन पूर्व एवं एक दिन बाद तेज हवाऐं, आंधी-तूफान एवं तेज वर्षा होती है। क्षेत्र के बड़े-बूढों का कहना है कि देवी मां के शक्तिपीठ में आने और जाने के समय ऐसा सदियों से होता चला आ रहा है। जबकि नगर के बुद्धिजीवी लोगों का कहना है कि हवा एवं वर्षा श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी के आगमन पर नहीं बल्कि इस दिन उनकी बहनों के यहां के शक्तिपीठ में मां बाला सुंदरी से मिलने आने और फिर वापस जाने के समय आती है। उनका कहना है कि देवी श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी तो हमेशा ही शक्तिपीठ में विराजमान रहती है। शक्तिपीठ में देवी का स्वरूप लगभग सात सेमी ऊंची प्रतिमा के प्राकृत रूप में विराजमान हैं। इन दिनों दस गुणा पंद्रहा सेमी की चांदी की शिवलिंगाकार आकृति (पिंडी) से आवृत है। मंदिर के सिंह द्वार के बाहर 18 बीघे भूमि में एक प्राचीन एवं मनोरम सरोवर है। जो 'देवीकुंड' के नाम से विख्यात है। श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ की पौराणिकता का एक प्रमाण मंदिर के निकासी द्वार पर लगे पत्थर के लेख से भी मिलता है। इस पत्थर पर अज्ञात भाषा में कुछ उत्कीर्ण है। पुरातत्व विभाग के बड़े से बड़े वैज्ञानिक यहां आए लेकिन आज तक भी इस पत्थर पर लिखा कोई नहीं पढ सका। अगर इस पत्थर पर लिखा कोई पढ पाता तो शायद इस शक्तिपीठ की पौराणिकता के बारे में और कुछ भी पता चल सकता।

मुख्यमंत्री ने शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थन में किया सभा को संबोधित

विश्व में राम और कृष्ण की धरती से जाना जाता है भारत -मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, दुनिया में कहीं भी चले जाओ और कहो कि मैं राम और कृष्ण की धरती से आया हूं तो लोग समझ जाते हैं कि यह भारत से आऐ है और कांग्रेसियों को अपने ही देश में राम के जन्म के स्थान के बारे में सबूत चाहिए थे।भगवान श्री राम के अस्तित्व को नकारने वाले कांग्रेसी आज तक भी प्रभु श्री राम के मंदिर में दर्शन करने अयोध्या नहीं गए है। हमने सदैव कानून का सम्मान किया लेकिन श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपना चुनाव शून्य घोषित होने पर देश में आपातकाल लगाया। उक्त बातें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने स्थानीय प्राइवेट बस स्टैंड पर शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थन में आमसभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री श्री यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि शाजापुर की धरती श्री जगन्नाथ राव जोशी, श्री शालिग्राम जी तोमर एवं संतोष जी त्रिवेदी और माखन सिंह जी चौहान जैसे सपूतों की कर्मभूमि रही है। यहां पर लोग संगठन की परिभाषा सीखने के लिए आते हैं महेंद्र सिंह सोलंकी जी भाग्यशाली हैं जिन्हें इस धरती पर कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र भाजपा का परंपरागत गढ़ रहा है यहां पर संगठन गढ़ने वालों ने जन्म लिया है मुख्यमंत्री श्री यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस 55 वर्षों तक केंद्र की सत्ता में रही लेकिन कभी गरीबी मिटा नहीं सकी और कांग्रेस का शहजादा कहता है कि एक झटके में गरीबी को हटा दूंगा। जनता इनके झूठे नारों को खूब समझती है।श्री यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी 29 में से 29 लोकसभा की सीट जीतने जा रही है कांग्रेस एक सीट पर तो मैदान छोड़कर भी भाग गई है। कांग्रेस ने जैसा बोया वैसा ही कांग्रेस काट रही है। अल्पसंख्यकों को मोदी जी के नाम से हमेशा डराया जाता है जबकि सबका साथ और सबका विकास की सोच रखने वाले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के राज में 2014 के बाद से किसी का भी अहित नहीं हुआ है। श्री यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में अलग से कृषि महाविद्यालय खोलने की आवश्यकता नहीं है बल्कि सभी महाविद्यालय में ही कृषि विभाग की स्थापना की जाएगी। यह फैसला हमारी सरकार ने कर लिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि शाजापुर में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना करके रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे साथ ही आगर सुसनेर क्षेत्र की भी समुचित चिंता करके उनका विकास भी किया जाएगा। क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिरों का भी समुचित विकास होगा इसके लिए केवल धर्मस्य विभाग ही नहीं बल्कि मंत्रिमंडल की उच्च स्तरीय समिति भी बना दी गई है।जो आने वाले समय में कार्य प्रारम्भ करेगी।

लोकसभा क्षेत्र मे किये 25 हजार करोड के विकास कार्य = सोलंकी

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने धारा 370 हटाई,ट्रिपल तलाक के लिए कानून लाए कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक राम राज्य की स्थापना की। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भारत को विकसित भारत बनाना चाहते हैं और उनका मानना है कि देश में सिर्फ चार ही जातियां हैं युवा,महिला गरीब और अन्नदाता और इन चारों के समग्र विकास से ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। श्री सोलंकी ने बताया कि शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र में 25 हजार करोड़ से भी अधिक के विकास कार्य हुवे हैं। और डबल इंजन की सरकार मिलकर शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र में और तेज गति से विकास के कार्य करेंगी । श्री सोलंकी ने कहा कि डॉक्टर मोहन यादव की दूरदर्शिता से पार्वती, कालीसिंध,चंबल परियोजना का सबसे बड़ा लाभ देवास- शाजापुर को होने जा रहा है। इसके लिए मैं शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र की जनता की ओर से आपका आभार व्यक्त करता हूं। श्री सोलंकी ने सभी उपस्थित जन समुदाय तक मोदी जी की राम-राम भी पहुंचाई।

कांग्रेस छोड़ भाजपा में हुए शामिल

भारतीय जनता पार्टी की रीति नीति एवं सिद्धांतों से प्रभावित होकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थन में देवास लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसियों ने कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा। उक्त जानकारी देते हुए भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य उमेश टेलर ने बताया कि कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं पूर्व विधायक रमेश दुबे के पुत्र नवीन दुबे सहित देवास के पूर्व पार्षद अजीत भल्ला,अंशुल हुरकट, सरपंच प्रतिनिधि श्री शिव सिंह गुर्जर,श्याम सिंह पाल ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

यह रहे उपस्थित- मंचासीन अतिथियों मे मुख्य रूप से मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के अलावा संत श्री 1008 नर्मदानंद जी महाराज, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, श्री जगदीश अग्रवाल,लोकसभा प्रभारी श्री बहादुर मुकाती, शाजापुर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अशोक नायक, देवास जिलाध्यक्ष श्री राजू खंडेलवाल, आगर जिलाध्यक्ष श्री चिंतामन राठौर, शाजापुर विधायक श्री अरुण भीमावद,कालापीपल विधायक श्री घनश्याम चंद्रवंशी, विधायक श्री मनोज चौधरी, आगर विधायक श्री मधु गहलोत,आष्टा विधायक श्री गोपाल इंजीनियर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, श्रीमती लीलाबाई अटेरिया, श्री सोनू गेहलोत,पंकज वर्मा,संतोष बराडा,विजय सिंह बेस, मनीष सोलंकी, राजेश यादव,किरण सिंह ठाकुर, प्रेम जैन,अशोक कविश्वर,बबीता परमार, सहित बड़ी संख्या मे पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री श्री दिनेश शर्मा ने किया। आभार विधानसभा संयोजक किरण सिंह ठाकुर ने माना।

नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

दिये गये अहम दिशा निर्देश, शराब दुकान निर्धारित समय पर बंद हो, अन्यथा होगी कार्रवाही

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मतदान सामग्री वितरण एवं सामग्री जमा होने के दौरान स्वास्थ्य टीम पूरी तरह से सक्रिय रहे, गर्मी का मौसम है, बचाव के लिये व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, डाक्टर की टीम एप्रेन पहनकर अपने निर्धारित क्षेत्र में भ्रमण करती रहे जिससे कर्मचारियों को यह पता रहे की स्वास्थ्य टीम साथ में है और जरूरत में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके। मतदान केन्द्रों पर टेंट, पानी, भोजन, बिजली, कुर्सियां, मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, भोजन की व्यवस्था मध्यान्ह भोजन समूह से बनवाया जाये। इस आशय के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने आज नोडल अधिकारियों की 72 घंटे पूर्व नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, समस्त सहायक रिटर्निंग आफीसर, डिप्टी कलेक्टर के साथ नोडल अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा नगर पालिका, नगरपरिषद टीम आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करे। एफएसटी, एसएसटी की बैठक 24 अप्रैल को होगी, वनरेबल बूथ पर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक भ्रमण कर जायजा लेंगे, एसडीएम अगले 3-4 दिन ड्यूटी चार्ट एफएसटी,एसएसटी की मानीटरिंग करें। उन्होंने शराब की दुकान रात्रि में निर्धारित समय पर बंद रखने के निर्देश आबकारी अधिकारी को दिये और कहा निर्धारित समय के बाद दुकान खुले रखने पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। कम्युनिकेशन कक्ष में सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाये। सामग्री वितरण के दौरान आपदा प्रबंधन की टीम भी उपलब्ध रहे। बैठक में मतदान कर्मियों के लिये टेंट, भोजन, बिजली, पानी, टायलेट आदि के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने मतदान के 72 घंटे, 48 घंटे, 24 घंटे और मतदान दिवस के संबंध में नोडल अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

युवा संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मतदाताओं को जागरूक करने हेतु युवा संवाद कार्यक्रम संपन्न

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, लोकसभा निर्वाचन 26 अप्रैल 2024 हेतु मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन में ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह मे युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं द्वारा अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम से मतदाता जागरूकता विषय पर मतदान से संबंधित विभिन्न तरह के प्रश्नों को पूछा गया, जिनका उनके द्वारा त्वरित और तार्किक उत्तर देते हुये विद्यार्थियों की मतदान से संबंधित समस्त तरह की जिज्ञासाओं की पूर्ति की गई। कार्यक्रम में नव मतदाता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के महाविद्यालय में उपस्थित होने पर बड़े ही उत्साहित हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय में अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सहायक नोडल अधिकारी स्वीप डॉ. के. पी. अहिरवार द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मतदान के महत्व और उससे जुड़ी सूक्ष्म जानकारी से उन्हें परिचित कराया गया। वरिष्ठ अध्यापक राजनीति विज्ञान डॉ इंदिरा जैन द्वारा मतदाता जागरूकता पर एक गीत की प्रस्तुति दी गई।

भगवान महावीर स्वामी की ऐतिहासिक शोभा यात्रा बड़े ही धूमधाम निकली

श्रमण संस्कृति के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2623 वे जन्मकल्याणक के अवसर पर परंपरागत स्वर्ण रथ के साथ कांच मंदिर से निकलने वाली भगवान महावीर स्वामी की ऐतिहासिक शोभा यात्रा बड़े ही धूमधाम ओर उल्लास के साथ आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी एवम मुनि श्री पूज्यसागर जी के सानिध्य में कांच मंदिर से राजवाड़ा होते हुए पुनः काच मंदिर पहुंची! यात्रा मार्ग में इंदौर के हृदय स्थल राजबाडा पर दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद युवा प्रकोष्ठ एवं दिगंबर जैन भारतवर्षीय युवा महासभा के संयुक्त तत्वाधान में भव्य मंच लगाकर परंपरागत जुलूस का ऐतिहासिक स्वागत किया गया आयोजन के प्रमुख दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महावीर जैन एवं भारतवर्षीय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तेज कुमार वेद व एवं भारतवर्षीय युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चिंतन जैन ने विस्तार पूर्वक बताया कि जुलूस में जैन समाज के हजारों धर्मानुरागी परिवार भगवान महावीर के ऐतिहासिक जुलूस में शामिल हुए लगभग 123 मंदिरों की झांकियां व अलग-अलग मंडल भगवान महावीर की भक्ति में झूमते गाते नजर आए सभी ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया अहिंसा परमो धर्म, जियो और जीने दो,त्रिशलानदन वीर की जय बोलो महावीर की के नारो से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया शोभा यात्रा में अलग-अलग मंदिरो से मंडलो से पधारे प्रमुख श्रेष्ठीजनो का मंच से शाल, दुपट्टा एवं पगड़ी पहनाकर ऐतिहासिक स्वागत किया गया स्वागत की बेला ने जुलूस मार्ग पर अपना एक अलग माहौल बनाया जिसे सभी ने बेहद पसंद किया मंच से समाज के लगभग सभी सृष्टिजनों का सम्मान किया गया विशेष रूप से नरेंद्र वेद, नकुल पाटोदी, पिंकेश टोंग्या, राकेश विनायका, सुभाष सांमरिया, पार्षद राजीव जैन, टीनू जैन ,अखिलेश शाह, भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रत्याशी शंकर जी लालवानी, नवीन गोधा, विजय बड़जात्या,हॅसमुख गांधी, लाभचंद काला,सुशील काला,संजय डोसी, राजेश जैन के साथ- साथ सैकड़ों विभूतियों का सम्मान किया गया इस अवसर पर विशेष रूप से राहुल झाँझरी, रोमिल काला ,मोहित जैन, विशाल काला, गजेंद्र जैन, गौतम काला, बहार जैन, हनी जैन, मनीष जैन ,ऋषभ अजमेरा, रोमिल जैन ,अर्पित जैन, पारस जैन, दिलीप अजमेरा, अनिल जैन, सावन जैन, मनीष पाटनी, दर्पण रावका, पंकज जैन,अभय जैन,राजेश जैन ,वैभव जैन, अभिषेक जैन, विशेष रूप से उपस्थित थे महिला सृष्टिजनों का सम्मान मंजू वेद, ऋतु जैन ,साक्षी झांझरी, खुशबू जैन, शशि टोंग्या, दर्शना जैन,रिया जैन, इना जैन, रूबी जैन, शिखा जैन, शुभी जैन ,उर्वशी जैन, सुविधा जैन, दीप्ती जैन, पूजा जैन ने किया मंच का संचालन महावीर जैन ,साक्षी झाँझरी ने किया आभार चिंतन जैन ने माना।

ताइवान में 6 घंटे में 80 भूकंप के झटके महसूस किए गए, 6.3 तक पहुंची तीव्रता

इंटरनेशनल डेस्क- ताइवान के भूकंप प्रभावित पूर्वी काउंटी हुलिएन में सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह दर्जनों झटके आए, लेकिन केवल मामूली क्षति की सूचना मिली और कोई हताहत नहीं हुआ और प्रमुख चिप निर्माता टीएसएमसी ने कहा कि उसने परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं देखा। सोमवार शाम 5 बजे से रात 12 बजे के दौरान 80 से ज्यादा बार झटके महसूस किए गए। इनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 6.3 और 6 दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक, ?ये दोनों झटके रात 12 बजे के आसपास कुछ मिनटों के अंतराल पर आए। ताइवान में तब रात के 2ः26 और 2ः32 बजे थे।
बड़े पैमाने पर ग्रामीण और कम आबादी वाले हुलिएन में 3 अप्रैल को 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कम से कम 14 लोग मारे गए थे, और तब से 1,000 से अधिक झटके आ चुके हैं। राजधानी ताइपे सहित उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी ताइवान के बड़े हिस्सों में इमारतें पूरी रात हिलती रहीं, सबसे बड़े भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई। ताइवान के सेंट्रल वेदर एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि सोमवार दोपहर से शुरू होने वाले भूकंपों का सिलसिला – जिसकी तीव्रता लगभग 180 आंकी गई – 3 अप्रैल के बड़े भूकंप के बाद के झटके थे। भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक वू चिएन-फू ने कहा कि झटके ऊर्जा का केंद्रित विमोचन थे और इससे अधिक की उम्मीद की जा सकती है, हालांकि शायद उतने मजबूत नहीं हैं। उन्होंने कहा, इस सप्ताह पूरे ताइवान में भारी बारिश की भविष्यवाणी के साथ, हुलिएन में लोगों को आगे के व्यवधान के लिए तैयार रहने की जरूरत है।हुलिएन अग्निशमन विभाग ने कहा कि तीन अप्रैल को क्षतिग्रस्त होने के बाद पहले से ही निर्जन दो इमारतों को और अधिक नुकसान हुआ है और वे झुक रही हैं।किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी), जिसकी फ़ैक्टरियाँ द्वीप के पश्चिमी तट पर हैं, ने कहा कि कम संख्या में फ़ैक्टरियों के कुछ कर्मचारियों को निकाला गया था, लेकिन सुविधा और सुरक्षा प्रणालियाँ सामान्य रूप से काम कर रही थीं और सभी कर्मचारी सुरक्षित थे। एक ईमेल में कहा गया, फिलहाल, हमें परिचालन पर कोई असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। मंगलवार की सुबह टीएसएमसी के ताइपे-सूचीबद्ध शेयरों में 1.75त्न की वृद्धि के साथ, निवेशकों ने भूकंप के बारे में चिंताओं को खारिज कर दिया। पर्वतीय हुलिएन काउंटी में, चट्टानों के गिरने के बाद कुछ सड़कें बंद होने की सूचना मिली है, और सरकार ने दिन भर के लिए काम और स्कूल को निलंबित कर दिया है। ताइवान दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है और भूकंप के प्रति संवेदनशील है। 2016 में दक्षिणी ताइवान में आए भूकंप में 100 से अधिक लोग मारे गए थे, जबकि 1999 में 7.3 तीव्रता के भूकंप में 2,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

परेड रिहर्सल के दौरान नौसेना के दो हेलीकॉप्टर हवा में टकराए, 10 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क- मलेशिया में नौसेना के दो हेलीकॉप्टरों के बीच हवा में टकराने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह 9.32 बजे (0132 त्रस्ञ्ज) लुमुट नेवल बेस पर हुई।
विवरण के अनुसार, टक्कर तब हुई जब हेलिकॉप्टर रॉयल मलेशियाई नौसेना परेड के लिए अभ्यास कर रहे थे। सोशल मीडिया पर मौजूद वीडियो में लुमट नेवल बेस पर टक्कर का क्षण दिखाया गया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, नौसेना ने एक बयान में दुर्घटना में शामिल विमान में सवार सभी 10 चालक दल के सदस्यों की मौत की पुष्टि की। नौसेना ने कहा, सभी पीड़ितों की घटनास्थल पर ही मौत की पुष्टि कर दी गई और उन्हें पहचान के लिए लुमुट आर्मी बेस अस्पताल भेज दिया गया।

पाक सेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 11 आतंकवादियों को मार गिराया, अधिकारियों ने दी जानकारी

नेशनल डेस्क - पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कम से कम 11 आतंकवादियों को मार गिराया। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को इसकी जानकारी दी गयी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग की ओर से जारी बयान के अनुसार, खुफिया जानकारी मिलने के बाद प्रांत के डेरा इस्माइल खान के अभयारण्यों में चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने कुल 10 आतंकवादियों को मार गिराया। बयान में कहा गया है कि एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान में एक आतंकवादी को मार गिराया।

ब्रिटेन और जर्मनी में चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में 5 लोग गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क- ब्रिटेन और जर्मनी में चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जर्मनी में चीन के लिए जासूसी करने और सेना की ओर से संभावित तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली प्रौद्योगिकी की जानकारी भेजने के संदेह में सोमवार को तीन जर्मन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। अभियोजकों ने बताया कि तीन जर्मन नागरिकों पर जून 2022 से कुछ समय पहले से चीनी खुफिया विभाग के लिए काम करने का आरोप है। उन पर जर्मन निर्यात कानूनों का उल्लंघन करने का भी संदेह है। संघीय अभियोजकों ने बताया कि कि जर्मनी गोपनीयता कानूनों की वजह से संदिग्धों में से एक की पहचान केवल थॉमस आर के रूप में की गई है जो कथित तौर पर चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रालय के एक कर्मचारी का एजेंट था और उसने जर्मनी में उस व्यक्ति के लिए 'सैन्य रूप से उपयोगी नवीन प्रौद्योगिकियों% की जानकारी एकत्र की। अभियोजकों ने बताया कि जानकारी एकत्र करने के लिए उसने हेरविग एफ. और इना एफ नामक दंपति का सहारा लिया जो डसेलडोर्फ में एक कंपनी के मालिक हैं। कंपनी जर्मन अनुसंधानकर्ताओं के साथ काम करती है। दंपति ने कथित तौर पर एक अज्ञात जर्मन कंपनी के साथ एक अनुसंधान हस्तांतरण समझौता किया था, जिसमें पहला कदम मशीन के पुर्जों की तकनीक पर एक चीनी भागीदार के लिए शोध का खाका तैयार करना था, जिसका उपयोग युद्धपोतों सहित शक्तिशाली जहाज इंजनों के लिए किया जा सकता है। इसी तरह ब्रिटिश पुलिस ने सोमवार को चीन के लिए जासूसी करने के मामले में दो लोगों पर आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। 32 और 29 वर्ष की आयु के ये व्यक्ति चीन को खुफिया जानकारी प्रदान कर थे। क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस ने एक बयान में कहा, दोनों आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा। मेट्रोपॉलिटन पुलिस में काउंटर टेररिज्म कमांड के प्रमुख कमांडर डोमिनिक मर्फी ने कहा, यह बेहद गंभीर आरोप हैं और इनकी बेहद जटिल जांच चल रही है।

दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हादसे में 3 युवकों की मौत, 2 गंभीर घायल

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर दो मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा सोमवार देर रात हसनगंज थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव के पास हुआ। उसने बताया कि पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए हसनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया गया और एक घायल व्यक्ति को ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य व्यक्ति को प्रारंभिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

बाइकों की भिड़ंत में 3 युवकों की मौत

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि सोमवार देर रात थाना क्षेत्र अंतर्गत अकबरपुर कस्बा के पास हादसे की सूचना मिली जिसके बाद घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एसएचओ ने बताया कि चिकित्सकों ने हसनापुर निवासी हर्षवर्धन सिंह (20), शेरपुर निवासी विमलेश गौतम (20) और लखनऊ निवासी राजकुमार (25) को मृत घोषित कर दिया गया जबकि घायल सचिन को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया तथा एक अन्य घायल विकास सैनी को प्राथमिक उपचार देने के बाद घर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कन्नौज में ट्रक और बस की टक्कर, 4 यात्रियों की मौत और 21 घायल उत्तर प्रदेश में कन्नौज जिले के ठठिया थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर मंगलवार तड़के गोरखपुर से दिल्ली जा रही एक बस डिवाइडर तोड़कर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई, जिससे बस में सवार 4 यात्रियों की मौत हो गई और 21 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बस में करीब 40 यात्री सवार थे। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) डॉ. संसार सिंह ने बताया कि मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है और घायलों को तिर्वा में श्री भीमराव आम्बेडकर राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। एएसपी ने बताया कि जिन घायलों की हालत गंभीर है, उन्हें कानपुर के लिए तुरंत रेफर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हादसे की वजह से एक्सप्रेस वे पर करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा जाम लग गया। कन्नौज पुलिस ने क्रेन से ट्रक और बस को हटवाया जिसके बाद यातायात सुचारू हो पाया।

शर्ट के अंदर छिपाकर ले जा रहा था 14 लाख, व्यक्ति गिरफ्तार

नेशनल डेस्क- लोकसभा की तैयारियों के बीच अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि चुनाव की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए तमिलनाडु में एक व्यक्ति को अपने कपड़ों के अंदर 14 लाख रुपये ले जाते हुए पकड़ा है। अधिकारियों को उसके कपड़ों पर संदेह होने के बाद केरल-

तमिलनाडु सीमा पर वालयार चेक पोस्ट पर एक बस के अंदर से वीनो के रूप में पहचाने गए व्यक्ति को पकड़ा गया। इसके बाद उस व्यक्ति को बस से उतार दिया गया और तलाशी के दौरान उसने अपनी शर्ट के अंदर से नकदी के बंडल निकाले।आदर्श आचार संहिता के अनुसार, एक व्यक्ति को केवल 50,000 रुपये ले जाने की अनुमति है और अनुमत राशि से ऊपर किसी भी मूल्यवर्ग के लिए आवश्यक दस्तावेज की आवश्यकता होती है। अधिकारियों ने राशि जब्त कर ली और आयकर विभाग को भी सूचित कर दिया । अब आगे की जांच चल रही है। केरल अपने लोकसभा सांसदों को चुनने के लिए 26 अप्रैल को मतदान करने जा रहा है। मतदान से पहले अधिकारियों ने केरल-तमिलनाडु सीमा पर जांच तेज कर दी है।

पीएम मोदी दुनिया के नए पुतिन, आलोचना के अलावा कुछ नहीं करते- शरद पवार

नेशनल डेस्क - एनसीपी (सपा) नेता शरद पवार ने सोमवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि उन्हें डर है कि भारत में एक नया पुतिन बन रहा है। पवार ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नकल कर रहे हैं। शरद पवार ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्रियों ने नए भारत के निर्माण के लिए काम किया लेकिन पीएम मोदी केवल दूसरों की आलोचना करते हैं और इस बारे में नहीं बोलते कि उनकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में लोगों के लिए क्या किया है। शरद पवार ने कहा, केंद्र सरकार ने पिछले दस वर्षों में क्या किया, यह बताने के बजाय वह (मोदी) दूसरों की आलोचना करते रहते हैं। उन्होंने कहा, हमें डर है कि भारत में एक नया पुतिन बन रहा है। शरद पवार ने अमरावती में महा विकास अघाड़ी के उम्मीदवार के लिए एक प्रचार रैली को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के योगदान पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि कुछ भाजपा नेताओं ने सार्वजनिक रूप से संविधान को बदलने के बारे में बात की थी और लोगों से अपील की थी कि वे भारत में निरंकुशता को आकार न लेने दें। अमरावती लोकसभा क्षेत्र में एक हाई-प्रोफाइल चुनावी लड़ाई बन रही है, जहां भाजपा ने कांग्रेस के बलवंत वानखेड़े के खिलाफ मौजूदा सांसद नवनीत राणा को मैदान में उतारा है, जिन्होंने 2019 का चुनाव एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जीता था। पवार ने कहा कि वह अमरावती के लोगों से उस गलती के लिए माफी मांगने आये हैं जो उन्होंने 2019 के चुनाव में उम्मीदवार (नवनीत राणा) का समर्थन करके की थी।उन्होंने कहा, पिछले चुनावों में, मैंने लोगों से समर्थन मांगा और (राणा को चुनने के लिए) अपील की। लोगों ने उस उम्मीदवार को चुना जिसके लिए मैंने अपील की थी।

इजराइल के साथ तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति रईसी पहुंचे पाकिस्तान

इस्लामाबाद- ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सोमवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे। इब्राहिम रईसी की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दो महीने पहले दोनों पड़ोसी देशों ने एक दूसरे के इलाकों में कथित आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किये थे। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई एक पोस्ट में कहा, इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा आवास और निर्माण मंत्रालय के मंत्री मियां रियाज हुसैन पीरजादा और ईरान में पाकिस्तान के राजदूत मुदस्सिर टीपू ने उनकी अगवानी की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरानी राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी और एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें विदेश मंत्री, कैबिनेट के अन्य सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। राष्ट्रपति रईसी का पाकिस्तान में एक व्यापक कार्यक्रम है। इस दौरान

वह राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सीनेट अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक से मिलेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह लाहौर और कराची जाकर वहां के प्रशासन से भी मुलाकात करेंगे। पाकिस्तान रेडियो के मुताबिक रईसी आज प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात करेंगे जहां दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी होगी। खबरों में बताया गया, प्रधानमंत्री आवास पहुंचने पर उन्हें सलामी गारद पेश किया जाएगा। इसमें कहा गया, पृथ्वी दिवस के मौके पर ईरानी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शहबाज प्रधानमंत्री आवास में पौधा लगाएंगे और वे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। पाकिस्तान रेडियो के मुताबिक, प्रधानमंत्री शरीफ और राष्ट्रपति रईसी इस्लामाबाद में एक राजमार्ग का नाम ईरान एवेन्यू रखे जाने से संबंधित एक समारोह में हिस्सा लेंगे और वहां से वे संवाददाताओं से भी बात करेंगे। प्रधानमंत्री ईरानी राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए दोपहर के भोज का भी आयोजन करेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गये एक बयान के मुताबिक, दोनों नेता पाकिस्तान-ईरान संबंधों को और मजबूत करने, व्यापार, ऊर्जा, कृषि, लोगों के बीच संपर्क को बढ़ाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। दोनों नेताओं की वार्ता क्षेत्रीय और वैश्विक विकास एवं आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए द्विपक्षीय सहयोग पर केंद्रित होगी। विदेश विभाग के मुताबिक, पाकिस्तान और ईरान के बीच इतिहास, संस्कृति और धर्म पर आधारित मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं और राष्ट्रपति रईसी की यह यात्रा पाकिस्तान-ईरान संबंधों को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569